MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-41 ❖ मुंबई ❖ रविवार 02 से 08 अक्टूबर 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

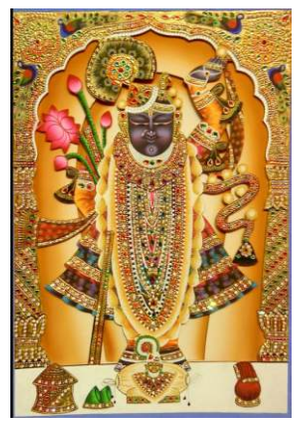

पेज 3

पालक मंत्री हैं या स्पाइडरमैन: पटोले

पेज 5

'तस्वीर इश्क की' रोमांटिक फिल्म से डेब्यू कर रहे हैं अरमान खान

पेज 7

अजय देवगन ने लोगों को फिर याद दिलाई 2 अक्टूबर की तारीख

पेज 8

दीपावली से पहले बड़ा झटका, लोन दरें बढ़ीं, जीडीपी वृद्धि के अनुमान में क्यों हुई कटौती?

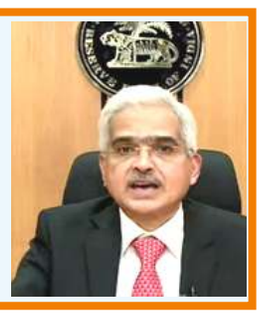

एक नजर

सुसाइड प्रिवेंशन आउटरीच प्रोग्राम आयोजित

नई दिल्ली । दिल्ली विश्वविद्यालय से सम्बद्ध अदिति कॉलेज की एम्पथी डी साइकोलॉजी एसोसिएशन सुसाइड प्रिवेंशन आउटरीच प्रोग्राम आयोजित किया। इस दौरान कॉलेज की सभी छात्राएं व अध्यापिकाओं को इस मुहीम में जोड़ा गया। इस कार्यक्रम को टीम को दो भागों में बांटा गया और दोनों टीम कॉलेज के अलग-अलग भागों में जाकर आत्महत्या के खिलाफ जागरूक संदेश देकर आए। कार्यक्रम के तहत सभी को आत्महत्या के कुछ महत्वपूर्ण समाधान से भी अवगत कराया गया। आउटरीच के माध्यम से फ्री हग्स फॉर ऑल का नारा लगा कर ये संदेश दिया गया की कोई अकेला नहीं है और आत्महत्या जैसा कदम दिल से गले लग कर भी रोका जा सकता है।

फैशन शो आयोजित

नई दिल्ली । द्वारका स्थित पैसिफिक मॉल में बच्चों के लिए फैशन शो- जूनियर मॉडल 2.0 कार्यक्रम आयोजित किया गया। शो में 3-15 वर्ष आयु वर्ग के 560 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता और आत्मविश्वास लाना था। कार्यक्रम में सभी बच्चों ने रंग-बिरंगे परिधानों में रैंप वॉक किया और रंगारंग कार्यक्रमों में डांस और गाने की प्रस्तुति दी। विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर पैसिफिक ग्रुप के कार्यकारी निदेशक अभिषेक बंसल ने कहा कि कार्यक्रम में बच्चों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखना एक अच्छा अनुभव था। हम आगे भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।

हिन्दी पखवाड़ा आयोजित

नई दिल्ली । दिल्ली विश्वविद्यालय से सम्बद्ध शिवाजी कॉलेज की राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में और शिवाजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. शिव कुमार सहदेव के मार्गदर्शन हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र भारद्वाज एवं डॉ. ज्योति शर्मा के निर्देशन में हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। इस दौरान सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आदि अंतर्महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

बीएमसी और बेस्ट कर्मचारियों के लिए दिवाली बोनस का एलान

मुंबई: बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) और बिजली आपूर्ति और परिवहन (बेस्ट) कर्मियों को 22,500 रुपये दीवाली बोनस के रूप में मिलेंगे। जबकि, आरोग्य सेविकाओं को एक माह का वेतन बतौर बोनस मिलेगा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में यूनियन नेताओं के साथ हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। इस योजना से कम से कम 93,000 बीएमसी कर्मचारी, और 29,000 बेस्ट कर्मचारी, शिक्षकों और स्वास्थ्य कर्मियों के साथ इसे प्राप्त करेंगे। शिवसेना करीब 30 साल से बीएमसी पर राज कर रही है। दिवाली पर बोनस की घोषणा निकाय चुनाव को लेकर सियासी दांव माना जा रहा है। 2017 के नागरिक निकाय चुनावों में, शिवसेना ने 84 सीटें जीतीं थीं। 227 सदस्यीय निकाय में सबसे कम सीटें इसी चुनाव में आई हैं। वहीं बीजेपी को 82 सीटें मिली थीं। अब बीजेपी का फोकस बीएमसी चुनाव पर है। एकनाथ शिंदे की घोषणा के बाद माना जा रहा है कि बीएमसी चुनाव में इसका असर पड़ेगा।

राष्ट्रीय राजमार्गोपर बंद हो टोल वसूली

नाना पटोले ने नितिन गडकरी को लिखा पत्र

टोल, सेस के रूप में वसूला जा रहा डबल टैक्स

मुंबई। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने केंद्रीय परिवहन एवं सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर मांग की है कि राज्य के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल वसूली बंद की जाए। पटोले ने अपने पत्र में सवाल किया कि रोड इंफ्रास्ट्रक्चर टैक्स लगाने के बाद टोल की वसूली क्यों की जा रही है? पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र में पिछले पांच वर्षों में कई जिलों में राज्य राजमार्गों का दर्जा बढ़ाकर उन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया गया है। इनमें से कुछ राजमार्गों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि कुछ राजमार्गों का निर्माण अभी भी चल रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा इस सड़क के उपयोग से पहले सड़क निर्माण पर हुए खर्च की वसूली के लिए इस सड़क पर टोल लगाया गया है। दरअसल केंद्र सरकार पेट्रोल-डीजल खरीदने वाले उपभोक्ताओं से रोड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस

और एग्रीकल्चर सेस एडवांस में वसूल करती है, इसलिए मार्ग में यात्रा करने वाले वाहन चालकों से पेट्रोल- डीजल पर टोल व सेस जैसे डबल टैक्स वसूला जा रहा है। ऐसे में मोटर चालकों की इस लूट को तुरंत रोका जाए और राज्य के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल बूथ बंद किए जाएं। उन्होंने कहा कि केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के नेतृत्व में सरकार ने स्वर्णिम चतुर्भुज राजमार्ग योजना की शुरुआत करते वक्त पेट्रोल-डीजल पर एक रुपए प्रति लीटर की दर से एक रुपए सेस वसूलने की शुरुआत की थी। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (Narendra Modi) की भाजपा सरकार आने के बाद रोड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस प्रति लीटर 1 रुपए से बढ़ाकर 18 रुपए कर दिया गया। इसके साथ ही 4 नवंबर 2021 तक केंद्र सरकार एक लीटर पेट्रोल पर उत्पादन शुल्क के रूप में 1 रुपए 40 पैसा, विशेष उत्पादन शुल्क के रूप में 11 रुपए, रोड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस के रूप में 18 रुपए और एग्रीकल्चर सेस के रूप में 2 रुपए 50 पैसे को मिलाकर 32 रुपए 90 रुपए कर वसूलती थी। वहीं डीजल पर एक रुपए 80 पैसे उत्पादन शुल्क, 8 रुपए विशेष उत्पादन शुल्क, 18 रुपए रोड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस और 4 रुपए एग्रीकल्चर सेस को मिलाकर 31 रुपए 80 पैसे वसूलती थी। 4 नवंबर 2021 से 22 मई 2022 तक प्रति लीटर पेट्रोल पर उत्पादन शुल्क 1 रुपए 40 पैसे, विशेष उत्पादन शुल्क 11 रुपए, रोड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस 13 रुपए और एग्रीकल्चर सेस के रूप में 2 रुपए 50 पैसे को मिलाकर कुल 27 रुपए 90 पैसे वसूला गया। वहीं प्रति लीटर डीजल पर उत्पादन शुल्क 1 रुपए 80 पैसे, विशेष उत्पादन शुल्क 8 रुपए, रोड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस 8 रुपए और एग्रीकल्चर सेस के रूप में 4 रुपए को मिलाकर कुल 21 रुपए 80 पैसे वसूला गया। कर और सेस के माध्यम से केंद्र सरकार ने अभी तक लाखों करोड़ रुपए जमा किए हैं। इस निधि से भारत सरकार राष्ट्रीय महामार्ग के काम व देखभाल, मरम्मत के काम अच्छी तरह कर सकती है। केंद्र सरकार एक तरफ पेट्रोल-डीजल पर कर व सेस लगाकर और दूसरी तरफ टोल लगाकर आम लोगों के साथ दोगुनी लूट कर रही है। यह सब रुकना चाहिए।

शिवसेना का दशहरा सम्मेलन एक ही शिवतीर्थ पर ही !

गरजे शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे

मुंबई, दशहरा सम्मेलन होता रहता है, पंकजा मुंडे भी दशहरा सम्मेलन करती हैं लेकिन शिवसेना का दशहरा सम्मेलन एक ही है... शिवसेना दशहरा सम्मेलन मतलब शिवतीर्थ पर, ऐसा शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने कल गरजते हुए कहा। शुक्रवार को बंजारा समाज के नेता महंत सुनील महाराज ने 'मातोश्री' निवास स्थान पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ शिवसेना में प्रवेश किया। इस मौके पर महंत का स्वागत करते हुए उद्धव ठाकरे ने बागी गद्दारों की जमकर खबर ली।

सुनील महाराज बंजारा समाज की देवी 'पोहरादेवी' के महंत हैं। पोहरादेवी के यहां 'ललिता पंचमी' के दिन मेला लगता है। इस मुहूर्त पर सुनील महाराज ने उद्धव ठाकरे की उपस्थिति में शिवसेना का भगवा ध्वज हाथ में लिया। उनके साथ बंजारा समाज के अध्यक्ष रविकांत राठौर और अन्य प्रमुख नेताओं ने इस मौके पर शिवसेना में प्रवेश किया। उद्धव ठाकरे ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर पत्रकारों के साथ बातचीत में बगावत करनेवाले शिंदे गुट के दशहरा सम्मेलन को लेकर पूछे गए सवाल पर जमकर चुटकी लेते हुए पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि कौन, कहां और वैâसे करता है, इसका शिवसेना से कोई लेना-देना नहीं। लेकिन शिवसेना का दशहरा सम्मेलन शिवाजी पार्क पर ही होता है।

उन्होंने कहा कि शिवसेना का क्या होगा, ऐसे सवाल कई लोगों के मन में उठ रहे हैं लेकिन इनका उत्तर आने से पहले शिवसेना १० कदम आगे बढ़ चुकी है। बंजारा समाज के खून में गद्दारी नहीं सुनील महाराज और बंजारा समाज के कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि साधु-संत घर पर जब आते हैं तो दिवाली-दशहरा होता है, ऐसा हम मानते हैं। नवरात्रि के मुहूर्त पर बंजारा समाज के महंत ने शिवसेना में प्रवेश किया है। मैं उनका स्वागत करता हूं। बंजारा समाज के कट्टर शिवसैनिक आज भी हमारे साथ हैं, क्योंकि शिवसेना ने जिन्हें बड़ा किया उन्होंने ही हमारे पीठ में खंजर घोंपा है।

प्रयागराज में डेंगू ने पसारे पांव २० दिनों में बढ़े पांच गुना मरीज

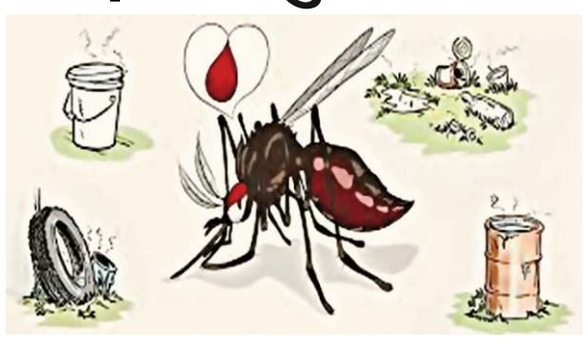

प्रयागराज, यूपी में बरसात और बाढ़ के बाद अब डेंगू ने पांव पसारने शुरू कर दिए हैं। प्रयागराज में सिर्फ २० दिनों में डेंगू के मरीजों की तादाद पांच गुना बढ़कर १९१ तक पहुंच गई है। हालांकि जिस रफ्तार से ये बीमारी फैल रही है उस रफ्तार से अभी तक चिकित्सा विभाग अपनी तैयारियों को गति नहीं।प्रदान कर सका है।

पूर्वी यूपी के प्रमुख शहरों में से एक प्रयागराज में यूं तो हर साल डेंगू फैलता है लेकिन इस बार इसकी फैलने की रफ्तार तेज नजर आ रही है। शनिवार को एक साथ १७ मरीजों के मिलने से चिकित्साधिकारियों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ दिखाई दीं। इसी के साथ अभी तक यहां १९१ डेंगू संक्रमित मरीज मिल चुके हैं।

हालांकि चिकित्सा प्रशासन ने डेंगू प्रभावित इलाकों में एंटी लार्वा दवाओं का छिड़काव शुरू कर दिया है। फिर भी रोजाना डेंगू की तेज गति मरीजों की संख्या बढ़त की ओर है। हालात ऐसे हैं कि पिछले 18 दिनों में डेंगू ४१ से १९१ लोगों तक जा पहुंचा है। स्वास्थ्य विभाग एलाइजा रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद ही मरीजों में कंफर्म डेंगू मान रहा है जबकि शहर के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू के संदिग्ध सैकड़ों लोग हैं। सरकारी और निजी अस्पतालों में बुखार से पीड़ित लोगों की कतार लगी है। ग्रामीणांचल में भी तेज

कोलाबा-नरीमन प्वाइंट होगा कनेक्ट

25 मिनट की दूरी 5 मिनट में होगी पूरी! बनेगा 284 करोड़ रुपए का समुद्री पुल

मुंबई, महानगर मुंबई के सबसे पॉस इलाके कोलाबा और नरीमन प्वॉइंट के बीच की दूरी अब वाहनधारकों के लिए कम होनेवाली है। नरीमन प्वॉइंट और कोलाबा के बीच ट्रैफिक की समस्या बड़ी है इससे लोगों को जल्द ही निजात मिलनेवाली है। जी हां, यहां समुद्र में से होकर गुजरनेवाले एक पुल निर्माण की योजना है। नरीमन प्वॉइंट और कोलाबा के बीच १.६ किमी लंबा यह ४ लेन का पुल जॉगिंग ट्रैक जैसी सुविधाओं से लैस होगा। एमएमआरडीए इस पुल के लिए टेंडर आमंत्रित कर चुका है।

दक्षिण मुंबई के कोलाबा में जाने के लिए नरीमन प्वाइंट से होकर गुजरना पड़ता है। नरीमन प्वाइंट से कोलाबा के बीच की दूरी सीधे एक किमी ही है लेकिन घूमकर जब सड़क से यह दूरी नापी जाती है तो लगभग ५ किमी पड़ती है। फिलहाल जहां २० से २५ मिनट लगता है। इस पुल के बनने से यह दूरी ५ से ३ मिनट में पूरी की जा सकेगी। पिछले कुछ दिनों से कोलाबा में कार्यालय की संख्या बढ़ने से वाहनों से आने-जानेवालों की संख्या भी बढ़ी है। बधवार पार्क और मच्छीमार नगर के पास ट्रैफिक होता है। ऐसे में ट्रैफिक और अधिक समय इस दूरी को तय करने में लग जाता है लेकिन इस पुल के बनने से मात्र कुछ मिनटों में ही कोलाबा से नरीमन प्वाइंट का सफर तय किया जा सकेगा। एमएमआरडीए अधिकारियों के अनुसार कोलाबा और नरीमन प्वाइंट के बीच १.६ किलोमीटर ४ लेन का पुल समुद्र में से होकर गुजरेगा। इसके निर्माण से यहां वाहनधारकों को काफी फायदा होगा है। इसके लिए एमएमआरडीए २८४.५ करोड़ रुपए खर्च करेगी। यह लागत जरूरत के अनुसार बढ़ भी सकती है। कंस्ट्रक्शन कंपनी के साथ करार में निर्माण के साथ इसके देख-रेख का काम भी सौंपा जाएगा।

- 4 लेन का होगा पुल
- जॉगिंग ट्रैक की सुविधा

शिंदे गुट के मंत्री की बगावत : भाजपा से नहीं करेंगे युति !

मुंबई, शिवसेना से गद्दारी करके बनी शिंदे-फडणवीस यानी 'ईडी' सरकार के बीच जंग शुरू हो गई है। सरकार स्थापना के बाद आगामी सभी चुनाव शिंदे गुट और भाजपा युति मिलकर लड़ेगी, ऐसा दावा दोनों दलों के नेताओं द्वारा कई बार किया गया था। लेकिन कल मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट के मंत्री अब्दुल सत्तार ने मीडिया से बातचीत में बगावत का बिगुल बजा दिया है। उन्होंने कहा कि हम अपने निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के साथ युति नहीं करेंगे। अब्दुल सत्तार ने आगे कहा कि हर निर्वाचन क्षेत्र में परिस्थितियों का आकलन करके भाजपा और शिंदे गुट के बीच मैत्रीपूर्ण लड़ाई पर शिंदे और फडणवीस को विचार करना चाहिए। जिससे चुनकर आने के बाद सत्ता स्थापना करने में सहूलियत होगी। अब्दुल सत्तार के इस बयान के बाद से राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दिल्ली और मुंबई में हम आपके साथ नगर निगम, जिला परिषद में रहेंगे। स्थानीय स्तर पर एकनाथ शिंदे और भाजपा केवल दो दल हैं इसलिए इन दोनों के बीच दोस्ताना लड़ाई होनी चाहिए। जो भी निर्वाचित होगा, वह सत्ताधारी यानी मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का कार्यकर्ता होगा। चुनाव चिह्न कुछ भी मिले, हम अवश्य जीतकर अपने बल पर आएंगे, ऐसा दावा सत्तार ने किया। मैं एक कार्यकर्ता हूं और एक कार्यकर्ता कभी किसी चीज से नहीं डरता। कार्यकर्ता का पद कोई नहीं छीन सकता। विधायक, सांसद, मंत्री का पद जाएगा, कुछ और पद जाएंगे, लेकिन कार्यकर्ता का पद कभी नहीं जाता, ऐसा सत्तार ने कहा।

सरनाईक के खिलाफ जनहित याचिका

शिंदे गुट के विधायक प्रताप सरनाईक द्वारा बहुमंजिला इमारत निर्माण के लिए ठाणे में कब्रिस्तान के लिए आरक्षित ३७ हजार वर्ग मीटर जमीन हड़पने के मामले में हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। ठाणे में अवर लेडी ऑफ मर्सी चर्च के निवासियों द्वारा जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि ठाणे में ईसाई समुदाय के लिए कब्रिस्तान की जगह अपर्याप्त है। ठाणे मनपा ने दो विकास योजनाओं में शहर के लिए १० भूखंड आरक्षित किए थे। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि एक भी भूखंड का हस्तांतरण नहीं किया गया है। भायंदर पाड़ा, जीबी रोड जहां प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन बनाया जाना है, वहां एक भूखंड को कब्रिस्तान के लिए आरक्षित किया गया था। याचिकाकर्ता जब इस भूखंड की वर्तमान स्थिति देखने गए तो पता चला कि संबंधित भूखंड प्रताप सरनाईक के विहंग ग्रुप ऑफ कंपनीज की एक बहुमंजिला इमारत के लिए अनारक्षित है। शिंदे गुट को सत्ता में आए लगभग तीन महीने हो चुके हैं। इस बीच मंत्री पद को लेकर तमाम घोटालों, संरक्षक मंत्री पद को लेकर नाराजगी के बाद अब एक नया मामला सामने आ रहा है।

बरसाती त्योहारों में आएं गड्ढों की बाढ़ ! मनपा ने बताई वजह

मुंबई, महानगर में गड्ढों की समस्या को लेकर मनपा अभी भी दिक्कतों का सामना कर रही है। तमाम जगहों पर गड्ढे की शिकायतें लगातार मनपा को मिल रही हैं लेकिन इस बार मुंबई की सड़कों पर गड्ढे बढ़े हैं, इसकी वजह बरसात में इस बार आए त्योहार बने हैं। मनपा की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष की तुलना में ज्यादा बरसात होने और कई त्योहार बरसाती मौसम में पड़ने की वजह से इस बार सड़कों पर गड्ढे बढ़े हैं। इसके अलावा और भी कई कारण मनपा ने बताए हैं। हालांकि इस दौरान हाई टेक्नोलॉजी के साथ गड्ढों को पाटने के प्रयास किया गया। क्यों हुए गड्ढे मनपा ने गड्ढों को लेकर एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें तमाम विवरण दिए गए हैं और बताया है कि मुंबई में इस बार गड्ढे आखिर क्यों बढ़ें? मनपा के अनुसार हर बार मुंबई में औसतन २,२४० एमएम बरसात होती थी लेकिन इस बार ५०० एमएम बढ़कर २,७०५ एमएम बरसात हुई, जिसके चलते मुंबई में गड्ढों की समस्या बढ़ी है। इसके अलावा सड़कों पर अवैध कब्जे होने से जगह-जगह बरसात के पानी की निकासी में दिक्कतें हुई और जहां-तहां पानी जमा हुआ। उससे भी गड्ढों की संख्या में वृद्धि हुई। मनपा ने रिपोर्ट में बताया है कि इस बार त्योहार बरसात के मौसम में होने की वजह से पंडालों की ओर से जगह-जगह गड्ढे किए गए। गणेश उत्सव, रमजान और अब नवरात्रि में पंडालों की ओर से बैरियर लगाने के लिए सड़कों पर गड्ढे खोदे गए,

मुफ्त अनाज कब तक

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को एक बार फिर तीन महीने के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। आज ही यह योजना समाप्त हो रही थी, लेकिन अब 31 दिसंबर तक जारी रहेगी। यह इस योजना का सातवां विस्तार है। ध्यान रहे, इसकी शुरुआत अप्रैल 2020 में तब की गई थी, जब कोरोना को बेकाबू होने से रोकने की कोशिशों के तहत देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की गई थी। उस दौरान अचानक सारा कामकाज ठप हो जाने और आजीविका के साधन समाप्त हो जाने की वजह से देश में कमजोर तबकों के सामने जीवन निर्वाह की समस्या पैदा हो गई थी। उस कठिन दौर में जरूरतमंदों की मदद के लिए सरकार ने दो महीने के लिए यह योजना घोषित की, जिसके तहत 80 करोड़ गरीबों को पांच किलो गेहूं और चावल मुफ्त मुहैया कराए गए। चूंकि कोरोना की समस्या जारी रही, इसलिए सरकार ने अप्रैल 2021 में फिर से यह योजना घोषित की। इस बार भी यह दो महीने के लिए थी, लेकिन इसे पांच महीने के लिए बढ़ा दिया गया। तब से इसे लगातार बढ़ाया जाता रहा है।

चूंकि अब कोरोना के वैसे हालात नहीं रहे, जन जीवन सामान्य हो चुका है, काम धंधे शुरू हो चुके हैं, इसलिए उम्मीद की जा रही थी कि इस योजना को और विस्तार नहीं दिया जाएगा। यूक्रेन युद्ध के कारण जहां दुनिया में सप्लाई चेन बाधित हुई वहीं अनाज की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। बढ़ी हुई महंगाई दर और रुपये की कमजोरी के चलते देश की वित्तीय स्थिति भी कमजोर हुई है। इसलिए वित्त मंत्रालय इस योजना को मिलने वाले विस्तार की वजह से करीब 45000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ बर्दाश्त करने के मूड में नहीं था। खबरों के मुताबिक वित्त मंत्रालय का सुझाव था कि अगर योजना को विस्तार देना ही है तो भी उसमें अनाज की मात्रा कम की

जानी चाहिए। मगर कैबिनेट के फैसले के मुताबिक योजना अपने पुराने स्वरूप में ही जारी रहेगी। ध्यान रहे, साल के अंत में हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा चुनाव होने हैं। स्वाभाविक ही आरोप लग रहे हैं कि सरकार के इस फैसले के पीछे चुनावी हित हैं। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि इस फैसले की वजह से गरीबों के चेहरे पर मुस्कान आएगी और उनके घर में चूल्हे जलते रहेंगे। निश्चित रूप से किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार को देश की आबादी के कमजोर हिस्सों की चिंता होनी चाहिए। लेकिन उसी चिंता का एक रूप यह भी है कि देश की वित्तीय संरचना पर हद से ज्यादा बोझ न पड़े। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने मुफ्त घोषणाओं को मुद्दा बनाया था और राजनीतिक दलों को इससे बचने की जरूरत बताई थी। ऐसे में इस योजना को मिला विस्तार खुद सरकार की प्राथमिकताओं पर कुछ असुविधाजनक सवाल तो खड़े कर ही गया है।

आ बैल मुझे मार

किरीट ए. चावड़ा

राजस्थान कांग्रेस में जिस तरह का सीन बन गया है, वह पूरी पार्टी के लिए शर्मिंदगी का एक नया अध्याय है। संभवतः कांग्रेस के हालिया इतिहास में यह पहला मौका है, जब आलाकमान के निर्देश पर आए केंद्रीय ऑब्जर्वरों को इस तरह की अपमानजनक

स्थिति से गुजरना पड़ा हो। हालांकि प्रदेश में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच छत्तीस का आंकड़ा कोई नहीं बात नहीं। मुख्यमंत्री पद की सचिन पायलट की आकांक्षा किसी से छिपी नहीं है। 2020 में तो इसे लेकर वह खुली बगावत तक कर चुके हैं। उस लिहाज से इसमें भी कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सीएम की कुर्सी अपने धुर विरोधी को देने के हक में नहीं हैं। मगर ये बातें तो सबको पता हैं। फिर आखिर वह कौन सी समझदारी थी जिसके तहत कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व ने गहलोत को पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए मनाया? औपचारिक तौर पर भले सोनिया गांधी और राहुल गांधी कहें कि वे इस चुनाव में निरपेक्ष हैं, लेकिन सारे संकेत यही बता रहे हैं कि गहलोत को दस जनपथ का आशीर्वाद हासिल था। और दस जनपथ को फिलहाल छोड़ भी दें तो गहलोत कैसे अध्यक्ष पद का प्रत्याशी बनने को तैयार हो गए? राष्ट्रीय अध्यक्ष और राजस्थान का मुख्यमंत्री दोनों पदों पर बने रहने की जो संभावना उन्होंने पिछले दिनों जताई थी, उसी से यह स्पष्ट हो जाना चाहिए था कि अध्यक्ष पद पर गहलोत को बैठाने का विचार उपयुक्त नहीं है। लेकिन खुद गहलोत ने उस बयान से दूरी दिखाने के बाद जयपुर में जिस तरह का बवाल होने दिया, उससे प्रदेश कांग्रेस के सत्ता समीकरण में उन्हें जो भी तात्कालिक नफा-नुकसान हो, पार्टी के अंदर और बाहर एक वरिष्ठ नेता के रूप में उनकी छवि बुरी तरह प्रभावित हुई है। कांग्रेस नेतृत्व पर भी यह सवाल उठा है कि वह इतने गंभीर मसले को इतनी लापरवाही से कैसे ले सकता है? जिस नेता को संभावित अध्यक्ष माना जा रहा है, उसके गृह राज्य में उसकी मर्जी के बिल्कुल खिलाफ कोई कदम उसे विश्वास में लिए बगैर उठा लिया जाएगा, यह सोच भी कैसे लिया गया। यहां से आगे अब चाहे जो भी हो, इतना तय है कि पार्टी का कोई भी हिस्सा इस प्रकरण से नुकसान उठाए बगैर नहीं निकल पाएगा। गहलोत मुख्यमंत्री चाहे बने रह जाएं, परिपक्व नेता के रूप में अपनी साख गंवा चुके हैं। अध्यक्ष पद की दौड़ से तो खैर वह बाहर हो ही गए हैं। सचिन पायलट के पास समर्थक विधायकों की संख्या बहुत कम है, यह एक बार फिर जाहिर हो चुका है। यहां से जितने भी कदम आगे बढ़ें आलाकमान की बैसाखी पर ही बढ़ेंगे। खुद आलाकमान की हनक पर भी पंजाब प्रकरण के बाद यह दूसरी बड़ी चोट है। अपनी मनवा ले जाए तब भी उसकी पुरानी हनक तो तुरंत नहीं आने वाली।

बहारें हमको ढूंढेंगी, जाने हम कहां होंगे...

गणेश पाण्डेय

बचपन से ही मुझे लताजी के गानों से प्यार था। फिर जब मैंने मुंबई के विद्यानिधि हाईस्कूल में पढ़ाना शुरू किया, तो वहां संगीतकार उत्तम सिंह की बेटा-बेटी पढ़ने आया करते। उन्हें गणित और विज्ञान पढ़ाने के लिए मैंने उनके घर जाना शुरू किया। तब 'मैंने प्यार किया' फिल्म में राम-लक्ष्मण का म्यूजिक काफी हिट हो गया था और उनके सहायक उत्तम सिंह थे। एक दिन मैंने उन्हें लताजी से मिलवाने को कहा। उन्हीं दिनों फिल्म 'सातवां आसमान' के गानों की रेकॉर्डिंग में लताजी आने वाली थीं। उत्तम सिंह ने कहा कि तुम स्टूडियो जल्दी आ जाना, मैं मिलवा दूंगा। स्टूडियो पहुंचने पर मैंने देखा कि लताजी का कैसा प्रभाव संगीत निर्देशकों पर रहता था। एक गाने में उन्हें एक शब्द खटक रहा था। उन्होंने स्टूडियो के अंदर से ही सुझाव दिया कि 'इस' शब्द की जगह पर 'ये' शब्द ले लिया जाए तो गाना आसान हो जाएगा और गाने का अर्थ भी नहीं बदलेगा। राम-लक्ष्मण ने यह बात तुरंत मान ली। फिर दो गानों के ब्रेक के बीच मैं उनसे मिला। मैंने उन्हें बताया कि मुझे आपके करीब दो हजार गाने अंतरे-मुखड़े के साथ जबानी याद हैं। इस पर लताजी ने आश्चर्य जताया। फिर मैंने उनसे ऑटोग्राफ देने का आग्रह किया।

बाद में मैंने लताजी से एक बार फिर मिलने के लिए अपने एक मित्र के जरिए उनके भांजे योगेश से संपर्क किया। बात बन गई और मैं मुंबई के पैडर रोड स्थित लताजी के आवास प्रभु कुंज जा पहुंचा। मुझे मुलाकात के लिए 15 मिनट मिले थे। बातचीत शुरू हुई तो मैंने कहा कि लताजी मेरे मन में आपके लिए जो भावना है, उसे मैं आपके ही गाए एक गाने से व्यक्त कर सकता हूं। उन्होंने पूछा, कौन सा गाना? मैंने कहा, 'हमें और जीने की चाहत न होती, अगर तुम न होते .....।' यह सुनकर वह खुलकर हंसीं।

लता मंगेशकर

फिर मैंने कहा कि आपका पहला सुपरहिट गाना, 'हवा में उड़ता जाए, मेरा लाल दुपट्टा मलमल...' का था ना? मुझे पता था कि ऐसा नहीं था, लेकिन बातचीत बढ़ाने के लिए मैंने उनसे यह बात कही। उन्होंने तुरंत कहा, 'नहीं-नहीं, मेरा

पहला हिट गाना था - महल फिल्म का 'आएगा आने वाला।' था। फिर वह खुलती गईं और मैं चुन-चुनकर गानों की याद दिलाता गया। फिर तो 15 मिनट की तय भेंट कब डेढ़ घंटे की अविस्मरणीय मुलाकात में बदल गई, पता ही नहीं चला। लताजी ने मराठी में संगीत निर्देशक भी रही हैं। आनंद घन नाम से उनके कई सुपरहिट गाने हैं। इसी बातचीत में मैंने उनसे पूछा कि आपने हिंदी फिल्मों के लिए संगीत निर्देशन क्यों नहीं किया? उन्होंने बताया, 'मुझे बहुत लोगों ने इसका प्रस्ताव दिया, लेकिन मैं इसलिए नहीं गई कि मेरा गाने के ऊपर जो फोकस था, वह हट जाता।' कुछ गानों में कहीं-कहीं गायक स्वतः ही थोड़ी सी 'जगह' लेते हैं और बदलाव करते हैं। लताजी ऐसा अक्सर करती थीं। मैंने पूछा कि ऐसा वे संगीत निर्देशक के कहने पर करती हैं या खुद कर देती हैं? इस पर उन्होंने हंसकर कहा, 'नहीं यह तो मुझे गाते-गाते ही सूझ जाता था और मैं कर देती थी। इसे लेकर तो मोहम्मद रफी के साथ मेरा कई बार विवाद भी हुआ। रफी हंसकर पूंछते थे कि तुम यहां 'जगह' लेने वाली हो, यह मुझे पहले क्यों नहीं बताया। मैं भी ले लेता। तो मैं कहती कि जब मुझे गाते-गाते सूझा तो मैं पहले कैसे बता सकती थी।'

फिर मैंने उनसे आलाप के बारे में पूछा कि क्या किसी गाने में आलाप लेने के बारे में संगीत निर्देशक ही आपको बताते हैं? इस पर उन्होंने बताया, 'संगम फिल्म का संगीत जब बन रहा था, तब मैं, शंकर और जयकिशन तीनों साथ बैठकर गीत पर चर्चा कर रहे थे। उसी समय राज कपूर का लंदन से फोन आया। उन्होंने कहा कि इस गाने में शुरुआत में आलाप चाहिए। इसलिए मैंने 'ओ मेरे सनम' गाने में लंबा आलाप दिया है।'

आज भी जब मैं कभी प्रभु कुंज के सामने से गुजरता हूं तो नजर एक बार पहली मंजिल पर जरूर चली जाती है। लेकिन तब उन्हीं का गाया हुआ बागी फिल्म का गीत याद आता है कि हमारे बाद इस महफिल में अफसाने बयां होंगे, बहारें हमको ढूंढेंगी, न जाने हम कहां होंगे।

ग्लोबल लीडर का रोल निभा रहा है भारत

भूपेन्द्र पटेल

इस साल जो यूएन जनरल असेंबली का 77वां सेशन हुआ। भारत के नजरिए से देखें तो यह काफी महत्वपूर्ण रहा। इसमें भारत का जो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक नया ओहदा है, उसे वह इस बार रेखांकित करने में सफल रहा। इस सेशन की जो थीम थी, उसका नाम था- ए वॉटरशेड मोमेंट : ट्रांसफार्मिंग सॉल्यूशन टु इंटरलॉकिंग चैलेंज। यानी यूएन सिस्टम अपने आप में यह बात मान रहा है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आज का संदर्भ बड़े बदलाव से है। असल में जिस तरह की रूपरेखा अंतरराष्ट्रीय राजनीति की आज बन रही है, वह अपने आप में एक तरह से पिछले सात दशकों के मैंडेट को चैलेंज करती है। इस वॉटरशेड मोमेंट में इसका समाधान खोजने की जरूरत है।

बड़ी ताकतों के बीच उभरता तनाव, संस्थाओं का खत्म होना, युद्ध जैसी बहुत समस्याएं हैं। कोविड आया, फिर चीन का आक्रामक रुख और रूस-यूक्रेन युद्ध। जो भी बड़े मुद्दे आए, उनमें कहीं भी यूएन का कोई खास रोल नहीं रहा। इसके संदर्भ में भारत ने अपनी कई बातें रखीं:

भारत ने अपने विचार इस बात को साझा करते हुए रखे कि आज वह अपनी आजादी के 75वें वर्ष को सेलिब्रेट कर रहा है। ऐसे में दुनिया की राजनीति में भारत का जो रोल है, उसे अब वह एक जिम्मेदार देश के तौर पर निभाना चाहता है।

भारत के विदेश मंत्री ने न सिर्फ संयुक्त राष्ट्र की आम सभा में भाषण दिया, बल्कि उनकी जो बाकी बातें रहीं, एंगेजमेंट रहे, वे बहुत महत्वपूर्ण थे। जैसे- क्वॉड, ब्रिक्स और उत्सा की मीटिंग हुई। भारत, ब्राजील और साउथ अफ्रीका साथ आने लगे हैं। भारत, लैटिन अमेरिकी और कैरिबियाई देशों के बीच मीटिंग हुई। इसके अलावा और भी कई ट्राईलैटरल डायलॉग हुए, जैसे भारत-फ्रांस-ऑस्ट्रेलिया, भारत-फ्रांस-यूएई और भारत-इंडोनेशिया-ऑस्ट्रेलिया के बीच।

आम सभा में शिरकत करने के अलावा ये सारे जो प्लैटफॉर्म हैं, इसने एक तरह से दिखाया कि भारत ऐसा देश है जो न सिर्फ अलग-अलग ग्रुप्स या ब्लॉक्स के बीच में अपनी पहचान बनाने में सक्षम रहा है, बल्कि वह एक और संदेश भी दे रहा है अंतरराष्ट्रीय समुदाय को। संदेश यह कि अगर यूएन में हमने जल्द सुधार नहीं किए, तो ग्लोबल गवर्नेंस फ्रेमवर्क यूएन से हटकर दूसरी तरफ चला जाएगा। ग्लोबल गवर्नेंस क्वॉड, ब्रिक्स और उत्सा जैसे प्लैटफॉर्म की तरफ शिफ्ट हो जाएगा। यह भारत का बड़ा स्टेटमेंट था।

भारत ने यह भी बताया कि आज उसके जैसे देशों के पास और मंच भी उपलब्ध हैं। भारत ने सब देशों के सामने यह बात रखी कि आज

वह अपनी जिम्मेदारी को एक वैश्विक हितधारक के तौर पर पूरी करने को तैयार है।

चीन का नाम न लेते हुए भारत ने एक और बड़ा महत्वपूर्ण उदाहरण दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि कई ऐसे देश हैं, जो यूएन का परमानेंट मेंबर होने के बावजूद यूएन चार्टर की अवमानना करते हैं जबकि दुनिया भर के देशों के लिए भारत अपनी ड्यूटी और जिम्मेदारी को लेकर प्रतिबद्ध है।

विदेश मंत्री ने बताया कि चाहे वैक्सीन सप्लाई हो, जो हमने सौ से ज्यादा देशों को दी। चाहे हमारे आपदा राहत अभियान हों, डिवेलपमेंट पार्टनरशिप हो- हमने हर जगह जिम्मेदारी निभाई। भारत ने अपने आपको एक नई पहचान दी। खुद को उन देशों के विपरीत खड़ा किया, जो यूएन में होने के बावजूद एक जिम्मेदार नेता की भूमिका नहीं निभा रहे हैं।

भारत ने कहा कि जिन देशों को मदद की जरूरत थी, फूड-फर्टिलाइजर-फ्यूल की जरूरत थी, जिन्हें यूक्रेन युद्ध के बीच सपोर्ट की जरूरत थी, जिनके लिए हिंद-प्रशांत में जो अस्थिरता और असुरक्षा बढ़ रही है, उन सब में भारत उन देशों के साथ खड़ा रहा, जो गरीब थे, जिनके पास उतने रिसोर्सेज नहीं हैं और जिन्हें बड़ी ताकतें नजरअंदाज कर देती हैं।

न्यूट्रल नहीं भारत

दूसरी बात जो भारत ने रखी, वो यह कि यूक्रेन क्राइसिस में भारत न्यूट्रल नहीं है। इसमें भारत शांति और यूएन चार्टर के साथ खड़ा है। वह उन देशों के साथ खड़ा है जो डायलॉग और डिप्लोमेसी को मानते हैं। जिस तरह से वैश्विक आर्थिक संकट आता दिख रहा है, वह गरीब देशों के लिए परेशानी का सबब है। ऐसे समय भारत उन देशों के साथ खड़ा है। विदेश मंत्री ने इस बात का जिक्र किया कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों को संकीर्णता की नजर से नहीं, बल्कि जिस वसुधैव कुटुंबकम की बात वह करता आया है, वैसे देखता है। चाहे वह अफगानिस्तान या श्रीलंका में सप्लाई हो, चाहे वह फूड और वैक्सीन हो, भारत हर तरह से मानवीय मदद देता है। दिसंबर में जी-20 की बैठक भारत आयोजित कर रहा है और उसमें हर मुद्दे पर वह आगे बढ़कर काम करने की तैयारी करेगा। फिर भारत ने अंदेशा जताया कि उसे अगर यूएन के सिस्टम में शामिल नहीं किया जाता, सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बनाया जाता, तो यूएन की क्रेडिबिलिटी पर सवाल खड़े होते हैं।

सबका मिला सपोर्ट

चीन और पाकिस्तान को निशाना बनाकर भारत ने कहा कि जो देश आतंकवाद के खिलाफ जंग को राजनीतिक नजरों से देखते हैं, वे यूएन चार्टर की भावना को नहीं मानते, जिससे यूएन कमजोर पड़ रहा है। यूएन के रिफॉर्म बड़े महत्वपूर्ण हैं, इसलिए इसमें जो देश ग्लोबल गवर्नेंस के लिए अपना योगदान देने को तैयार हैं, उन्हें शामिल किया जाना चाहिए। भारत की दावेदारी को और भी देशों ने काफी मजबूत किया। हमने देखा कि प्रेसिडेंट बाइडन हों, फ्रांस के मैक्रों हों, रूस हो- सबने भारत की बात की। इसके अलावा काफी देशों ने कहा कि भारत ने उनकी बढ़-चढ़कर मदद की।

भारत की संयुक्त राष्ट्र आम सभा में जो डिप्लोमेसी रही है, उसे देखें तो उसमें भारत एक नई तरह की वैश्विक शक्ति के रूप में उभरकर आया है। आज जिस तरह की फॉल्टलाइन बन रही हैं बड़ी शक्तियों के बीच में, उसके बीच भारत नेविगेट करने और अपनी नई पहचान बनाने में सक्षम है।

सुप्रीम कोर्ट से शिंदे सरकार को लगा तगड़ा झटका

MLC के 12 नामों की लिस्ट पर राज्यपाल को फैसला न लेने का आदेश

मुंबई: महाराष्ट्र की सियासत में फिलहाल उद्धव ठाकरे बनाम शिंदे गुट की लड़ाई अपने चरम पर है। बीते मंगलवार का दिन दोनों ही गुटों के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के लिहाज से काफी अहम रहा। एक तरफ जहां सुप्रीम कोर्ट ने शिंदे गुट को राहत देते हुए शिवसेना चुनाव चिन्ह संबंधी विवाद मामले में चुनाव आयोग को अपनी सुनवाई करने का आदेश दियाम तो दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट से शिंदे गुट को बड़ा झटका भी मिला है। बता दें कि महाराष्ट्र की शिंदे-फडणवीस सरकार ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को एमएलसी के अनुमोदन के लिए 12 नामों की एक सूची भेजी थी। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल को कार्यवाही करने से रोक दिया है। आदेश के मुताबिक आगामी 14 अक्टूबर तक राज्यपाल नियुक्त 12

विधायकों की नई सूची को जाहिर न करने का आदेश सुप्रीम कोर्ट की तरफ से राज्यपाल को दिया गया है। पहले यह मामला बॉम्बे हाई कोर्ट में चल रहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार में ही याचिका पर इस मामले पर इस तरह का आदेश दिया है। ऐसे में शिंदे सरकार को अब कुछ समय के लिए इंतज़ार करना पड़ेगा।

12 लोगों को विधायक बना सकते हैं राज्यपाल

विधान परिषद में राज्यपाल द्वारा कुछ लोगों को एमएलसी बनाया जाता है। राज्यपाल, सरकार द्वारा भेजी गई नामों की सिफारिश पर अपने विवेक के अनुसार निर्णय लेते हैं और उन्हें विधान परिषद सदस्य के लिए अनुमोदित करते हैं। पिछले महाविकास अघाड़ी सरकार में भी 6 नवंबर 2020 को 12 लोगों के नामों का एक सिफारिश पत्र महामहिम राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के पास भेजा गया था। हालांकि सरकार ने ढाई साल तक इस मुद्दे पर उनके साथ पत्र व्यवहार किया लेकिन अघाड़ी सरकार द्वारा भेजे गए नामों पर गवर्नर की तरफ से कोई भी फैसला नहीं लिया गया। इस मुद्दे पर तत्कालीन ठाकरे सरकार के नेताओं ने राज्यपाल पर पक्षपात का भी आरोप लगाया था।नई सरकार की नई लिस्ट महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के बाद शिंदे-फडणवीस सरकार ने भी 12 नामों की सूची राज्यपाल को अनुमोदन के लिए भेजी थी जिस पर राज्यपाल को फैसला लेना था हालांकि यह मामला अदालत सर्वोच्च अदालत की चौखट तक पहुंचा और वहां से फिलहाल इस मुद्दे पर राज्यपाल को आगामी 14 अक्टूबर तक तक कोई भी कार्रवाई न करने का आदेश दिया गया है।

एसआरए की 68 योजनाएं म्हाडा को

देवेंद्र फडणवीस ने दी जानकारी

मुंबई। उपमुख्यमंत्री और गृह निर्माण मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि झोपड़पट्टी पुनर्विकास की बंद पड़ी 68 योजना डेवलपर्स से वापस लेकर उन्हें म्हाडा को देने का निर्णय लिया गया है। साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए एक योजना लागू की जाएगी कि निवासियों को म्हाडा और एसआरए परियोजनाओं में नियमित किराया मिले।

फडणवीस ने बुधवार को म्हाडा और झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण (SRA) की योजनाओं की समीक्षा की। इस बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि म्हाडा और एसआरए के माध्यम से लागू कई परियोजनाएं ठप पड़ी हैं, इसलिए निवासियों को डेवलपर्स से नियमित किराया नहीं मिल रहा है, इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए एक योजना बनाई जाएगी कि परियोजना को पूरा करते समय निवासियों को नियमित किराया मिले। म्हाडा को समूह विकास योजनाओं को लागू करने का निर्देश दिया गया है। यह योजना मुंबई (Mumbai) में लागू की जाएगी, जहां म्हाडा कॉलोनियां हैं। फडणवीस ने कहा कि इससे निवासियों को ज्यादा जगह मिलेगी। बैठक में बीडीडी चाल के पुनर्विकास की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि म्हाडा की योजनाओं को तेजी से क्रियान्वित करते हुए तेजी से निर्णय लेकर नागरिकों को बड़ी संख्या में फ्लैट उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। किसानों के लिए 2 लाख सौर कृषि पंप ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक में राज्य के किसानों को दो लाख सौर कृषि पंप, मार्च 2022 तक सभी कृषि पंप को जोड़ने का बैकलॉग पूरा करने और कृषि फीडर को सौर ऊर्जा में बदलने के महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बुधवार को बांद्रा स्थित प्रकाशगड कार्यालय में महाऊर्जा नियामक मंडल की बैठक उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई। बैठक में महावितरण, महापारेषण, महानिर्मिती, होल्डिंग कंपनी सहित ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री ने राज्य में दो लाख सौर कृषि पंप का लक्ष्य पूरा करने की बात कहते हुए कहा कि केंद्र सरकार की कुसुम योजना के तहत एक लाख सौर कृषि पंप मेडा सहित महावितरण के माध्यम से देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा मार्च 2022 तक के संपूर्ण पेड पेंडिंग को पूरा करने की योजना थी। कृषि फीडर को सौर ऊर्जा पर लाने की योजना हमारे काल में शुरू की गई थी। इसे अब गति दी जाएगी।

पालक मंत्री हैं या स्पाइडरमैन: पटोले

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का सरकार पर हमला

मुंबई। अभी हॉल ही में शिंदे-फडणवीस सरकार ने जिलों के पालक मंत्रियों की नियुक्ति की है। खास बात यह है कि छह जिलों के लिए सिर्फ एक पालक मंत्री को नियुक्त किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने सरकार के इस निर्णय पर चुटकी लेते हुए सवाल किया कि क्या वे पालक मंत्री हैं या स्पाइडरमैन जो एक साथ छह जिलों की जिम्मेदारी संभाल सकता है।पटोले ने कहा कि राज्य सरकार के अंदर चल रहे विवाद का खामियाजा यहां के लोगों को भुगतना पड़ेगा।

सरकार पहले ही स्वीकृत विकास कार्यों को स्थगित कर चुकी है, राज्य के कई जिलों में सड़कों का बुरा हाल है। सड़क पर गड्ढे हैं, या गड्ढों में सड़क हैं। इसका पता नहीं चल पा रहा है। पटोले ने कहा कि उन्होंने अमरावती, अकोला समेत राज्य के कई जिलों का दौरा किया था। बारिश से किसानों को भारी नुकसान होने के बाद भी पंचनामा का काम अभी तक पूरा नहीं किया गया है। सोयाबीन, सब्जियां और बाग की फसलें बर्बाद हो गई है, लेकिन सरकार की तरफ से किसानों को अभी तक मदद नहीं मिली है। इससे साफ़ पता चलता है कि राज्य सरकार किसान विरोधी है। पटोले ने कहा कि शाहू, फुले, आंबेडकर की धरती से संबंध रखने वाले राज्य के मुख्यमंत्री खुलेआम कहते हैं कि वे मोदी-शाह के मुरीद बन गए हैं। वहीं महाराष्ट्र से उद्योग और निवेश को गुजरात भेजा जा रहा है। उन्होंने पूछा है कि क्या महाराष्ट्र के दो मंत्री राज्य के उद्योग को गुजरात भेजने के लिए वहां चर्चा करने के लिए गए थे। पटोले ने राज्य सरकार से इसका जवाब मांगा है। नाना पटोले ने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो पदयात्रा को लोगों से जबरदस्त प्रतिसाद मिल रहा है। इस पदयात्रा में महाराष्ट्र के जिले से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। वाम दलों, सामाजिक संगठनों ने भी इस मार्च को अपना समर्थन देने की घोषणा की है। हम भाजपा को छोड़ अन्य पार्टियों को भी इस पदयात्रा में बुलाने की कोशिश कर रहे हैं।

पश्चिम उपनगर में पानी की सप्लाई होगी बेहतर ..

मुंबई। पश्चिम उपनगर में रहने वाले लोगो को होने वाली पानी की समस्या दूर करने के लिए मनपा प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मनपा प्रशासन इस परिसर में रहने वाले लोगो को अभी तक मांग के अनुसार पानी आपूर्ति नहीं हो पा रही है। जिसका मुख्य कारण है लाइनों में लीकेज और पानी की चोरी । इस समस्या के समाधान के लिए

मनपा ने मुंबई भर में चरणबद्ध तरीके से पुरानी पाइप लाइन की जगह नई पाइपलाइन बिछाने की योजना बनाई है। मनपा ने पाइप लाइनों को बदलने के साथ साथ ऊंचाई वाले इलाकों में पानी कैसे पहुंचाया जाए इसका सर्वे किया जा रहा है। पश्चिम उपनगर में पानी आपूर्ति बेहतर करने के लिए मनपा नई पाइपलाइन बिछाएगी। जिससे अंधेरी विलेपार्ले , सांताक्रुज बांद्रा सहित मालाड आदि इलाको में पानी की समस्या दूर होगी। मनपा नई पाइप लाइन डालने पर 1 करोड़ 94 लाख रुपये खर्च करेगी। मनपा के एक अधिकारी ने बताया कि पुरानी पाइप में रिसाव के कारण लीकेज के कारण लोगो को दूषित पानी सप्लाई होता है जिससे लोगो में बीमारी भी बड़े पैमाने पर हो रही है। मनपा प्रशासन ने इस समस्या का स्थायी हल निकालने के लिए नई पाइपलाइन बिछाने पर जोर दिया है। मनपा ने पश्चिम उपनगर में पानी व्यवस्था बेहतर करने के लिए निविदा जारी की है । जिस पर 1 करोड़ 94 लाख रुपये खर्च होने की सम्भावना मनपा अधिकारियो द्वारा व्यक्त की गई है ।

मनपा पश्चिम उपनगर के साथ साथ पूर्व उपनगर की भी पुरानी पाइप लाइनों को बदलने और मरम्मत करने का काम करेगी। जिस पर करीब 300 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है। पूर्व और पश्चिम उपनगर की पाइपलाइनों की मरम्मत के लिए 200 करोड़ रुपये की निविदा जारी की गई है। उल्लेखनीय है कि पूर्व उपनगर में कुर्ला, चेंबूर, मानखुर्द , घाटकोपर, विक्रोली और भांडुप में पानी आपूर्ति की समस्या अधिक है। इन इलाकों में पानी की आपूर्ति बेहतर करने के लिए मनपा 100 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसी तरह पश्चिम उपनगर में बांद्रा , अंधेरी, गोरेगांव, मलाड, कांदिवली, बोरीवली और दहिसर एरिया में भी पुरानी पाइपलाइनों की मरम्मत की जाएगी।

पालघर में बजिली उपकरण बनाने वाली कंपनी में विस्फोट, 3 की मौत, 8 घायल

पालघर: महाराष्ट्र के पालघर जिले के वसई में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया।

यहां एक औद्योगिक इकाई में हाइड्रोजन गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया। इस घटना में कम से कम तीन श्रमिकों की मौत हो गई जबकि आठ अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब तीन बजे चंद्रपाड़ा क्षेत्र स्थित बिजली उपकरण बनाने वाली एक कंपनी में हुई।

उन्होंने कहा कि बुरी तरह झुलस

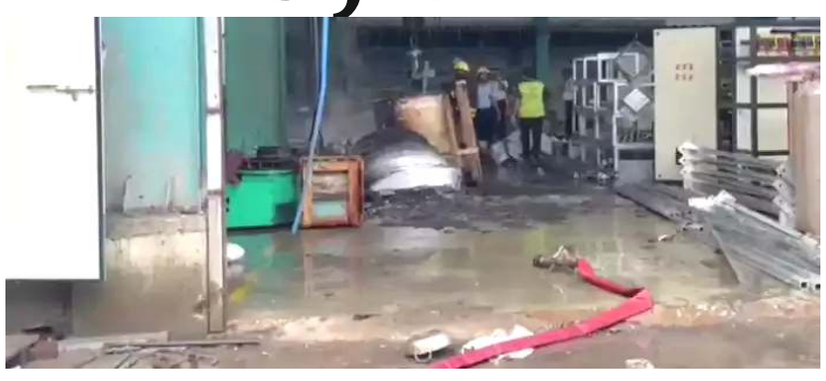

जाने के चलते मृतक श्रमिकों की पहचान नहीं हो सकी है।

जानकारी के मुताबिक, वसई इलाके में स्थित कॉस पावर इंजीनियरिंग लिमिटेड कंपनी में बुधवार दोपहर को बॉयलर फटने से आग लग गई। आग की चपेट में आने से तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। यह घटना बुधवार दोपहर 3 बजे के करीब घटी। घायलों को नजदीक हॉस्पिटल में उपचार के लिए भेज दिया गया है। मौके पर फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मौजूद है। राहत और बचाव का काम जारी है।

किचन पर केंद्र का कहर !..

एलपीजी का बांध दिया कोटा, साल में मिलेंगे सिर्फ 15 सिलिंडर

मुंबई, केंद्र की भाजपा सरकार ने किचन पर वार किया है, यानी किचन में लगनेवाले गैस सिलिंडर पर भी अब बंधन लगा दिया है। किचन में लगनेवाले गैस सिलिंडर के महीने में केवल दो का कोटा निश्चित कर दिया है। इस बात को लेकर राकांपा नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने प्रेस को जारी बयान में कहा है कि देशवासियों के घरेलू एलपीजी गैस सिलिंडर के उपयोग पर बंधन लाकर केंद्र की भाजपा सरकार ने नागरिकों के भोजन, पर्व-उत्सव करने पर मतलब

मूलभूत अधिकार पर बंधन लगा दिया है। सुप्रिया सुले ने ट्वीट के जरिए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नवरात्रि पर मोदी सरकार ने देश में महिलाओं के हितों के लिए पैâसला लेने की बजाय गृहिणियों की चिंता को बढ़ाने का काम किया है। केंद्र सरकार ने एक तरफ एलपीजी गैस सिलिंडर की कीमत बढ़ाने के साथ ही दूसरी तरफ गैस सिलिंडर की खपत को सीमित करने का निर्णय लेकर असंवेदनशील काम किया है।

मोदी ने श्रीलंका में भारतीय निवेश का दिलाया भरोसा

टोक्यो। भारत ने पड़ोसी देश श्रीलंका को आर्थिक संकट से लड़ने में मदद करने लिए और अधिक निवेश का भरोसा दिलाया है। श्रीलंका अपनी आजादी के 75 वर्ष के बाद सबसे खराब आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। समाचार पत्र 'डेली मिरर' के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को यह आश्वासन दिया। रिपोर्ट के अनुसार जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिनाजो आबे के अंतिम संस्कार के मौके पर दोनों नेता कुछ देर के मिले थे। अखबार ने कहा कि दोनों नेताओं ने बुधवार शाम श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन पर चर्चा की।

भारतवंशी डिलीवरी ब्यॉय पर न्यूयॉर्क में हमला

न्यूयॉर्क। उबर ईट्स के लिए काम करने वाले भारतीय-अमेरिकी डिलीवरी ब्यॉय पर न्यूयॉर्क में धारदार हथियार से कई बार हमला किया गया है। द न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, भरतभाई पटेल पर मंगलवार की सुबह उस समय हमला किया गया, जब वह डिलीवरी करने के लिए इलेक्ट्रिक बाइक पर जा रहे थे। पोस्ट ने कहा कि कथित हमलावर शॉन कूपर को मंगलवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी विभिन्न अपराधों में 103 बार गिरफ्तार किया जा चुका है।

अरब देशों के साथ परमाणु तकनीक साझा करेगा इस्राइल

तेल अवीव। इस्राइली परमाणु ऊर्जा आयोग (आईएईसी) के महानिदेशक मोशे एड्री ने कहा कि उनका देश अपनी अत्याधुनिक परमाणु तकनीक को अरब देशों के साथ साझा करने के लिए 'तैयार' है, जिन्होंने यहूदी राज्य के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एड्री ने वियना में आयोजित अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के 66वें आम सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

सुब्रमण्यम स्वामी ने की राजपक्षे से मुलाकात

कोलंबो। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ सुब्रमण्यम स्वामी ने

यहां श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे से मुलाकात की। स्वामी ऐसे पहले विदेशी मेहमान बन गये हैं, जिन्होंने अपदस्थ श्रीलंकाई राष्ट्रपति राजपक्षे से उनकी स्वदेश वापसी के बाद मुलाकात की है। श्रीलंका में सबसे खराब आर्थिक संकट से निपटने में विफल रहने के चलते विरोध-प्रदर्शन का सामना कर रहे राजपक्षे देश छोड़कर चले गए थे।

पाक के नए वित्त मंत्री अब 'भगोड़े' की सूची से बाहर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के नवनियुक्त वित्त मंत्री इशाक डार के पेश होने के बाद अदालत ने उन्हें 'भगोड़ा' घोषित करने के लगभग पांच साल बाद अपने पुराने आदेश को उलट दिया। डार अदालत के समक्ष पेश हुए और भ्रष्टाचार के एक मामले में मुकदमे का सामना करने का हलफनामा दिया। बुधवार को डार की ओर से पेश वकील मिस्बाह-उल हसन काजी ने जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश मोहम्मद बशीर से 72 वर्षीय मंत्री को जमानत के लिए आवेदन करने के बजाय आपराधिक प्रक्रिया संहिता के तहत मुचलका भरने की अनुमति देने का अनुरोध किया। 'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक, न्यायाधीश ने आवेदन पर राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो को नोटिस जारी कर सात अक्टूबर तक जवाब मांगा है।

भरोसा करने में समस्या

विश्वास दूसरों की अखंडता में विश्वास करना है। विश्वास बनाने का मतलब है कि आप अपने संबंधों और संबंधों में सुरक्षित महसूस करते हैं, और दूसरों के साथ खुले और कमजोर होने में सक्षम हैं। जब लोग आपको नुकसान पहुंचाते हैं और आपके भरोसे को धोखा देते हैं, तो आपकी सुरक्षा की भावना बिखर सकती है। आप दूसरों से सबसे बुरे की उम्मीद करने लगते हैं और शंकालु और शंकालु हो जाते हैं। भरोसे की यह कमी, जिसे आमतौर पर भरोसे की समस्या कहा जाता है, आपके मानसिक स्वास्थ्य और दूसरों के साथ आपके संबंधों के लिए बहुत हानिकारक हो सकती है।

विश्वास के मुद्दे आपके जीवन के कई क्षेत्रों को प्रभावित कर सकते हैं, जिसमें आपका मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य और आपके पेशेवर और व्यक्तिगत संबंध शामिल हैं। ट्रस्ट के मुद्दों से रिश्ते की समस्याएं, अकेलापन, अलगाव, तनाव, जलन और पूर्णतावाद हो सकता है। जब आप दूसरों पर भरोसा नहीं करते हैं, तो यह आपको दूसरे लोगों के कार्यों के प्रति जुनूनी बना देता है या ऐसा महसूस करता है कि आपको सब कुछ स्वयं करना है। यह विकासशील नियंत्रण मुद्दों और पूर्णतावाद को भी जन्म दे सकता है।

विश्वास के मुद्दे निम्नलिखित को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं:

कार्य संबंध और उत्पादकता
रोमांटिक रिश्ते
यारियाँ
परिवार के सदस्यों के साथ संबंध
अपने बच्चों के साथ संबंध
आपका अपना मानसिक स्वास्थ्य

ट्रस्ट के मुद्दों के संकेत

विश्वास के मुद्दे आपको संदेहास्पद महसूस करा सकते हैं, दूसरों पर संदेह कर सकते हैं और यहां तक कि खुद को अलग भी कर सकते हैं। आपके बीच अस्थिर, अस्थिर संबंध हो सकते हैं, झगड़े हो सकते हैं, या दूसरों पर बेईमानी या विश्वासघात का आरोप लगा सकते हैं। आप दूसरों के बारे में चिंता करने, सोचने या यहां तक कि जुनूनी होने में बहुत समय व्यतीत कर सकते हैं।

आपको दोस्तों और परिवार पर शक है

आप हमेशा अपने आप को अगले विश्वासघात, निराशा या गुप्त मकसद के लिए तैयार कर रहे हैं। लोग आपको जो कहते हैं उस पर आप विश्वास नहीं करते हैं। आपकी प्रतिक्रिया यह मान लेना है कि वे बेईमान हैं या किसी तरह से आपका भरोसा तोड़ा है।

आप शिकायत करते हैं

एक बार जब किसी ने आपका भरोसा तोड़ दिया या आपको निराश कर दिया, तो आप इसे कभी नहीं भूलते। आप उस व्यक्ति को फिर कभी माफ करने या उस पर भरोसा करने की संभावना नहीं रखते हैं।

यू पिक फाइट्स

जब आपके पास विश्वास के मुद्दे होते हैं, तो आप किसी भी छोटी चीज के बारे में अत्यधिक जागरूक होते हैं जो रिश्ते में गलत हो सकता है। आप अपने साथी पर भरोसा नहीं करते हैं, इसलिए आप उनके अतीत के मुद्दों को सामने लाते हैं या ऐसी चीजें ढूंढते हैं जो आपको परेशान करती हैं और लड़ाई शुरू करती हैं।

आप अपने पास रखें

अपनी आंतरिक दुनिया को दूसरों के साथ साझा करने के लिए विश्वास की आवश्यकता होती है। जब आपके पास भरोसे के मुद्दे होते हैं, तो आप अपने आंतरिक जीवन के विवरण के साथ किसी और पर भरोसा करने के जोखिम के बजाय चीजों को अपने पास रखना पसंद करेंगे।

आप लोगों की जासूसी करते हैं या उनके फोन चेक करते हैं

जब आपके पास भरोसे के मुद्दे होते हैं, तो आप हमेशा यह साबित करने के लिए सबूत ढूंढते हैं कि कोई आपके साथ ईमानदार है या नहीं। चूंकि आप उन पर विश्वास नहीं करते हैं, इसलिए आप या तो अपने दिमाग को शांत करने के लिए या आपको सही साबित करने के लिए सबूत तलाशते हैं।

आप खुद को अविश्वसनीय लोगों के साथ संबंधों में पाते हैं

निराशाजनक रूप से, आपका भरोसा टूटना एक स्वतः पूर्ण भविष्यवाणी हो सकती है। जब आप किसी निश्चित चीज़ के होने की उम्मीद करते हैं, विश्वास के मुद्दे होने, विश्वासघात होने की स्थिति में, आपका अवचेतन मन उन स्थितियों की तलाश करेगा।

हाथों-पैरों में अक्सर होती है झुनझुनी या सुन्न होने जैसी दिक्कत? इन गंभीर समस्याओं का हो सकता है संकेत

लंबे समय तक बैठे रहने के बाद अचानक उठने की स्थिति में अक्सर पैरों में झुनझुनी या सुन्न होने जैसा अनुभव हो सकता है। आमतौर पर बैठने पर रक्त संचार में आने वाले कमी के कारण इस तरह की दिक्कतें होती हैं, पर क्या आपको अक्सर ही इस तरह की समस्या बनी रहती है? अगर हां, तो सावधान हो जाएं यह तंत्रिकाओं में होने वाली गंभीर क्षति की स्थिति का संकेत हो सकती है। इतना ही नहीं इसे डायबिटीज की गंभीर समस्या-डायबिटिक न्यूरोपैथी या फिर किडनी फेलियर की तरफ इशारे के रूप में भी देखा जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इस तरह की दिक्कतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, इससे गंभीर समस्याओं का जोखिम हो सकता है। सामान्य स्थितियों में अपनी बांह के बल सो जाने या बहुत देर तक अपने पैरों को क्रॉस करके बैठने के कारण झुनझुनी या फिर सुन्नता का अनुभव हो सकता है। इस तरह की सनसनी को पेरेस्टेसिया के रूप जाना जाता है। हालांकि अक्सर बनी रहने वाली इस तरह की दिक्कत के कई अंतर्निहित कारण भी हो सकते हैं, जिनपर समय रहते ध्यान देने की आवश्यकता होती है। आइए जानते हैं कि किन गंभीर स्थितियों में पैरों में झुनझुनी या सुन्न होने की समस्या हो सकती है? जिनपर शीघ्रता से ध्यान देना आवश्यक हो जाता है?

डायबिटीज की गंभीर समस्या- डायबिटिक न्यूरोपैथी

हाथों-पैरों में झुनझुनी या सुन्न होने की दिक्कत को डायबिटिक न्यूरोपैथी के संकेत के तौर पर भी देखा जाता है। डायबिटीज की इस गंभीर स्थिति में तंत्रिकाओं में क्षति हो जाती है। डॉक्टर्स बताते हैं मधुमेह की अनियंत्रित स्थिति के कारण तंत्रिकाओं में क्षति हो सकती है,

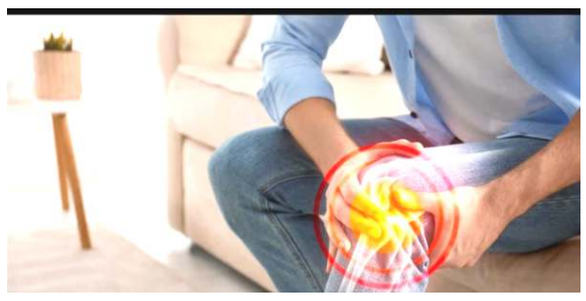

जिसके कारण तंत्रिका तंत्र कमजोर होने लग जाती है। इस स्थिति में हाथों-पैरों में होने वाली झुनझुनी की दिक्कतों के अलावा हृदय से संबंधित विकारों का भी खतरा रहता है। डायबिटिक न्यूरोपैथी ब्लड शुगर लेवल के लगातार बढ़े रहने के कारण होती है। अगर आपको अक्सर झुनझुनी या सुन्न होने की दिक्कत महसूस होती है तो इस बारे में किसी विशेषज्ञ से सलाह जरूर ले लें।

कार्पल टनल डिजीज

हाथों में झुनझुनी या सुन्न होने की दिक्कत को कार्पल टनल के भी एक संकेत के तौर पर जाना जाता है। यह समस्या कलाई से गुजरने वाली तंत्रिका के संकुचित हो जाने के कारण होती है। चोट लगने, बार-बार एक ही काम करने या सूजन के कारण यह दिक्कत हो सकती है। कार्पल टनल की समस्या में हाथ की उंगुलियों में सुन्नता या झुनझुनी महसूस होती रहती है, कुछ स्थितियों में पूरी बांह में भी यह दिक्कत महसूस हो सकती है। इसमें पैरों में दिक्कत नहीं होती है।

किडनी फेलियर का हो सकता है संकेत

अक्सर हाथों-पैरों में झुनझुनी या सुन्न होने की समस्या महसूस होते रहना इस बात का संकेत माना जाता है कि आपकी किडनी ठीक तरीके से काम नहीं कर रही है। अनियंत्रित उच्च रक्तचाप या डायबिटीज की

समस्याओं में किडनी फेलियर का खतरा अधिक होता है। डॉक्टर्स कहते हैं, जब आपकी किडनी ठीक से काम नहीं कर रही होती है, तो शरीर में तरल और अपशिष्ट पदार्थ जमा होने लग जाते हैं, जिससे तंत्रिकाओं में क्षति हो सकती है। किडनी फेलियर के लक्षण में पैरों में झुनझुनी या सुन्न होने की दिक्कत अधिक देखी जाती है।

रूमेटाइड अर्थराइटिस

रूमेटाइड अर्थराइटिस की समस्या भी हाथों-पैरों में झुनझुनी या सुन्न होने का कारण बन सकती है। यह एक ऑटोइम्यून विकार है जो जोड़ों में सूजन और दर्द का कारण बनती है। इस स्थिति में अक्सर कलाई और हाथों में दर्द होता रह सकता है। इस विकार में होने वाली सूजन के कारण नसों पर दबाव बढ़ जाता है, जिससे झुनझुनी-सुन्न होने की समस्या होती रह सकती है। रूमेटाइड अर्थराइटिस के ऐसे लक्षणों को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए।

खराब लाइफस्टाइल से बढ़ रहा कैंसर का खतरा, इस तरह की आदत है, तो आप भी हो सकते हैं शिकार

कैंसर का खतरा वैश्विक स्तर पर बढ़ता हुआ रिपोर्ट किया जा रहा है। कई प्रकार के कैंसर के कारण हर साल करोड़ों की मौत हो जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि दुनियाभर में होने वाली हर छह में से एक मौत का कारण कैंसर है। डॉक्टर्स कहते हैं, शरीर के कई अंगों में कैंसर कोशिकाएं विकसित हो सकती हैं। अपने जोखिम कारकों को समझते हुए सभी लोगों को इस घातक रोग से बचाव के लगातार उपाय करते रहना चाहिए। विशेषतौर पर कैंसर के लक्षणों पर ध्यान देते रहना आवश्यक है जिससे सही समय पर स्थिति की पहचान करके इलाज प्राप्त किया जा सके। प्रारंभिक चरणों में रोग के निदान और इलाज से जान बचने की संभावना बढ़ जाती है। स्वास्थ्य

विशेषज्ञ बताते हैं, लाइफस्टाइल की गड़बड़ी भी कैंसर के बढ़ते प्रमुख कारणों में से एक है। हमारी दिनचर्या की कई आदतें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष तौर पर कैंसर का कारण बन सकती हैं, इस बारे में सभी लोगों को जानते हुए बचाव के उपाय करते रहना चाहिए। कैंसर के खतरे से बचे रहने के लिए बचाव के उपायों को प्रयोग में लाते रहना बहुत लाभकारी और आवश्यक माना जाता है। आइए जानते हैं कि लाइफस्टाइल में किस प्रकार की आदतों के कारण कैंसर के विकसित होने का खतरा हो सकता है?

आहार की गड़बड़ी

पेन मेडिसिन की एक रिपोर्ट के अनुसार हम जिस तरह के आहार का सेवन करते हैं, शरीर पर उसका सीधा प्रभाव होता है। कुछ प्रकार के खाद्य पदार्थों को अध्ययनों में कैंसर का खतरा बढ़ाने वाला पाया गया है। रेड मीट या प्रोसेस्ड मीट जैसे आहार का अधिक सेवन कैंसर के जोखिमों को बढ़ा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इस प्रकार के चीजों के सेवन से बचाना चाहिए। इसके अलावा अधिक मात्रा में फैट, प्रोटीन, नमक और एडेड शुगर या शुगर ड्रिंक्स के सेवन से भी कैंसर के कारकों के बढ़ने का खतरा रहता है। सभी लोगों को आहार को लेकर विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। अध्ययनों में पाया गया है कि तम्बाकू के कारण कैंसर के विकसित होने और मौत का खतरा अधिक होता है। अनुमान के मुताबिक हर साल लगभग 4.50 लाख मौतें तंबाकू के कारण होने वाले कैंसर से हो जाती हैं। फेफड़ों का कैंसर सबसे तेजी से बढ़ता कैंसर का एक प्रकार है।

अक्सर बनी रहती है तनाव-चिंता? सावधान, आपमें हृदय रोगों का हो सकता है जोखिम, ऐसे करें बचाव

हृदय रोगों का बढ़ता खतरा मौजूदा समय की सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। डॉक्टर्स कहते हैं, भले ही हृदय रोगों को उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या के तौर पर जाना जाता है, पर जिस प्रकार से हाल के वर्षों में कम उम्र के लोगों में भी इसका खतरा बढ़ रहा है, इसे ध्यान में रखते हुए सभी लोगों को हृदय को स्वस्थ रखने के उपाय करते रहना चाहिए। डॉक्टर्स कहते हैं, वैसे तो हृदय रोगों के लिए लाइफस्टाइल, आहार में गड़बड़ी और शारीरिक निष्क्रियता को प्रमुख कारण के तौर पर माना जाता रहा है, पर क्या आप जानते हैं कि अक्सर तनाव-चिंता जैसी समस्याएं बनी रहना भी हृदय रोगों के जोखिम को

बढ़ा सकती है? दुनियाभर में बढ़ते इस जानलेवा समस्या के बारे में लोगों को जागरूक करने और इससे बचाव के उपायों के बारे में समझाने के लिए हर साल 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है।

अध्ययनों में पाया गया है कि चिंता और तनाव की स्थिति का लगातार बने रहना रक्तचाप जैसे कारकों को बढ़ा सकती है, जिसके कारण हृदय रोगों का खतरा हो सकता है। कोविड-19 महामारी के बाद से आश्चर्यजनक रूप से तनाव-चिंता के शिकार लोगों की संख्या में इजाफा देखा गया है। विशेषज्ञों की चिंता है कि यह स्थिति आने वाले वर्षों में हृदय रोगों के मामलों में उछाल का कारण बन सकती है। इस खतरे को ध्यान में रखते हुए सभी लोगों को तनाव-चिंता को कम करने वाले उपाय करते रहना चाहिए। आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं। जॉन्स हॉप्किंस के शोधकर्ताओं ने अध्ययन में पाया कि तनाव की लगातार बनी रहने वाली स्थिति हृदय पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। तनाव के कारण शरीर में इंफ्लामेशन बढ़ जाता है, जिसे हृदय रोगों के प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है। इसके अलावा क्रोनिक स्ट्रेस यानी की लंबे समय से बने रहने वाली तनाव की स्थिति आपकी नींद को भी प्रभावित करती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि रात में नींद पूरी न कर पाने वाले लोगों में अन्य लोगों की तुलना में हृदय रोगों का खतरा अधिक होता है। तनाव की स्थिति हाइपरटेंशन का भी कारण बन सकती है,

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह की शुरुआत किसी शुभ समाचार से होगी। मेहनत का परिणाम मिलने वाला है। किसी महत्वपूर्ण कार्य या निर्णय में परिवारजनों को आपकी राय की जरूरत लगेगी। पारिवारिक जीवन में किसी सदस्य का सहयोग मिलने से बड़े कार्य भी कुशलतापूर्वक पूरे कर लेंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, लेकिन छोटे-छोटे लक्षणों को अनदेखा ना करें।

वृषभ : दौड़भाग वाला सप्ताह रहेगा। व्यर्थ के कार्यों के पीछे समय और धन नष्ट होगा। नौकरीपेशा और कारोबारियों को आर्थिक संकट के कारण मानसिक परेशानी भी आ सकती है। कार्य में शिथिलता आने से मन नहीं लगेगा। पारिवारिक जीवन थोड़ा डिस्टर्ब रह सकता है। किसी का सहयोग नहीं मिलने से मन खिन्न रहेगा।

मिथुन : आर्थिक संकटों का समाधान इस हफ्ते मिल सकता है। उलझनों, परेशानियों से बाहर निकलने का रास्ता मिलने वाला है। कार्य व्यवसाय के सिलसिले में यात्राएं करना पड़ेंगी। संयम और धैर्य के कारण सभी लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। पुराने और जीर्ण रोगों से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुख रहेगा।

कर्क : मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। आर्थिक स्थिति में मजबूती का समय है, लेकिन आपको मन लगाकर मेहनत से काम करना होगा। काम को आगे टालने की प्रवृत्ति ठीक नहीं है। कारोबारियों को बिजनेस में नए इनोवेशन करना होंगे। नौकरीपेशा को कार्य स्थल पर असहयोग का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह : आपके आत्मविश्वास में जबर्दस्त वृद्धि होगी। इसका कारण आपके द्वारा किए जा रहे कार्यों में सफलता मिलना है। बिजनेस और जॉब में आशातीत सफलता मिलेगी। नए कार्य की रूपरेखा बनेगी और उसे कार्य रूप में परिणीत करने में कामयाब होंगे। लेकिन ध्यान रखें कामकाज की भागदौड़ में स्वास्थ्य का ध्यान रखना ना भूलें।

कन्या : बौद्धिक और तार्किक क्षमता मजबूत होने से बड़ी चुनौतियों को आसानी से पार कर लेंगे। जो भी निर्णय लेंगे उन्हें अंजाम तक पहुंचाने में कामयाब होंगे। पारिवारिक जीवन में आपके निर्णय को सराहना मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आय के नए साधन मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी, लेकिन माता-पिता की चिंता रहेगी।

तुला : भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा, लेकिन संतुलित रहते हुए खर्च करें। आय से अधिक खर्च करने की प्रवृत्ति से नुकसान में रहेंगे। सावधान रहें आप पर झूठे आरोप-प्रत्यारोप लग सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, खासतौर पर अस्थमा और श्वास से संबंधित रोग वाले। पारिवारिक जीवन में सहयोग और सम्मान बना रहेगा।

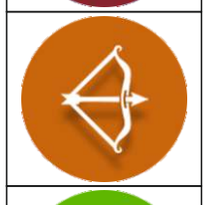

वृश्चिक : क्रोध से बनती बात बिगड़ सकती है। व्यवहार को मृदु रखते हुए बात करेंगे तो सफल होने से कोई नहीं रोक पाएगा। बिजनेस को आगे बढ़ाने पर विचार करना होगा। पुराने ढर्रे को छोड़ें और कुछ नया सोचें, अवसर आपके सामने हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर फोकस करना है। प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने के लिए मेहनत करना होगी।

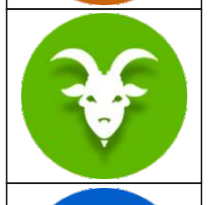

धनु : परिवार को आपके सहयोग की जरूरत है। इसलिए जितना संभव हो प्रयास करें सबके साथ अच्छा करने का। अपनी बात मनवाने के लिए किसी पर दबाव ना डालें। पूर्व में की गई मेहनत का शुभ परिणाम आपको मिलने वाला है। इस सप्ताह आपकी आर्थिक योजनाएं साकार होंगी और पैसों की अच्छी आवक होगी।

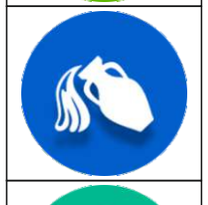

मकर : आपके सोचे हुए कार्य पूरे होने का समय आ गया है, इसलिए संकेतों को पहचानते हुए कार्य करें, निश्चित सफलता मिलने वाली है। भाग्य का साथ मिलने से बड़े और कठिन कार्य भी आसानी से हो जाएंगे। आर्थिक रूप से मजबूती रहेगी। नौकरीपेशा को थोड़ी परेशानी महसूस होगी लेकिन धैर्य रखें आगे सब अच्छा होगा।

कुंभ : खुद पर भरोसा रखें, आप जो भी करेंगे उसमें सफलता मिलेगी ही, ऐसा विचार मन में रखकर काम करेंगे तो ही सफल होंगे। दूसरों के भरोसे ना रहें। अपने काम खुद करें। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। अविवाहितों के विवाह की बात पक्की हो जाएगी। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक संकटों का समाधान इस हफ्ते पूरी तरह तो नहीं होगा।

मीन : आपके कार्य इस सप्ताह गति तो पकड़ेंगे लेकिन उनके पूरा होने में संदेह है। लगातार मेहनत से शुभ परिणाम हासिल होंगे। इसमें किसी का सहयोग लेना पड़े तो संकोच ना करें। धैर्य की परीक्षा होगी और उसमें आप सफल होंगे। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। प्रेम संबंधों में पार्टनर का सहयोग रहेगा।

सोनू: जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, दिन-प्रतिदिन इंसान अमीर बनता जाता है।
मोनू: कैसे?
सोनू: बूढ़े होने पर चांदी बालों में, सोना दांतों में, मोती आंखों में, शुगर खून में और महंगे पत्थर किडनी में पाए जाने लगते हैं।

पिता: तुम आज फिर शराब पीकर आए हो, टाइम देखो कितना हुआ है?
बेटा: 12 में 5 कम।
पिता: और पियो शराब, अभी 7 बज रहे हैं और तुम्हें 12 में 5 कम नजर आ रहा है।
बेटा: तो 12 बारह में 5 कम कितना होता है? 7 ही तो होता है ना।

पत्नी: तुम तो प्रवचन सुनने गए थे ना। गुरूजी ने रोमांस करने को कहा है क्या जो मुझे गोद में उठा रहे हो।
पति: नहीं पगली, उन्होंने तो कहा है कि अपने दुख खुद उठाओ।

आज से राजकोट डिवीजन पर ट्रेनों का नया टाइम टेबल लागू होगा

पश्चिम रेलवे के राजकोट डिवीजन पर आगामी 1 अक्टूबर, 2022 से नई समय सारणी लागू की जा रही है। इसमें कुछ ट्रेनों की गति बढ़ाई जा रही है, जिससे यह ट्रेन अपने वर्तमान निर्धारित समय से पहले गंतव्य पर पहुंचेगी। राजकोट डिवीजन के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव जेफ ने बताया कि 31 ट्रेनों की गति बढ़ाई गई है और 16 ट्रेनों की गति परिचालन कारणों से कम की गई है। ट्रेनों की गति बढ़ाए जाने के फलस्वरूप यात्री ट्रेनों के परिचालन समय में कमी आई है। इसका पूरा लाभ यात्रियों को मिलेगा व उन्हें अपने गंतव्य पर पहुंचने में समय की बचत होगी। राजकोट डिवीजन पर इस दौरान 96 ट्रेनों का समय प्रीपोन किया गया है जिसमें ट्रेनें अपने पहले के समय से 5 मिनच से लेकर 57 मिनट तक जल्दी आएंगी। उन्होंने बताया कि इसी तरह 87 ट्रेनों क समय पोस्टपोन किया गया जिसमें ट्रेनें अपने पहले के समय से 5 मिनट से लेकर 43 मिनट देरी से आएंगी। राजकोट मंडल से ओखा, द्वारका, खंभालिया, जामनगर, हापा, राजकोट, भक्तिनगर, वांकानेर, थान, सुरेन्द्रनगर सहित अन्य स्टेशनों के समय में बदलाव होगा जिसमें ये ट्रेनें अपने वर्तमान निर्धारित समय से पहले या बाद में पहुंचेगी।

पश्चिम रेलवे पर रविवार को दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

वैभव न्यूज ■मंबुई

रेल पथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा रविवार को बोरीवली एवं गोरेगांव स्टेशनों के बीच अप तथा डाउन धीमी लाइनों पर 00.30 बजे से 04.30 बजे तक चार घंटे का रात्रिकालीन जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा। तदनुसार, पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा के अनुसार ब्लॉक अवधि के दौरान गोरेगांव और बोरीवली स्टेशनों के बीच सभी अप एवं डाउन धीमी लाइन की ट्रेनें को फास्ट लाइन पर परिचालित होंगी। ब्लॉक के दौरान कुछ लोकल ट्रेनें रद्द रहेंगी।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को दिलाए पांच संकल्प

सीएम शिवराज ने मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह को किया संबोधित

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के विद्यार्थियों को डॉक्टर, इंजीनियरिंग की पढ़ाई में सहायता के साथ उनमें उद्यमिता की दक्षता निखारने और व्यापार में प्रवेश कराने के लिए सहायता की व्यवस्था की गई है। युवाओं को स्टार्टअप आरंभ करने, नवाचार करने प्रोत्साहित किया जा रहा है। विद्यार्थी अपना लक्ष्य निर्धारित करें, भ्रामित न हों, लक्ष्य प्राप्ति के लिए अनुशासित रूप से कड़ी मेहनत करते हुए रास्ता बनाएँ, सफलता अवश्य मिलेगी, राज्य सरकार आपके साथ है। मुख्यमंत्री चौहान प्रदेश के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के प्रोत्साहन के लिए लाल परेड ग्राउंड पर मेधावी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेश में 12वीं कक्षा में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले वाले 91 हजार 498 विद्यार्थियों के खाते में लेपटॉप के

लिए 25-25 हजार रूपये आंतरित किए। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 अक्टूबर को महाकाल लोक के लोकार्पण के लिए उज्जैन पधार रहे हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विद्यार्थियों से परिवार सहित इस कार्यक्रम से जुड़ने और अपने गाँव और नगरों में इस अवसर पर उत्सव मनाने का आहवान किया। स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) इंदर सिंह परमार, भोपाल की महापौर मालती राय, जिला पंचायत अध्यक्ष भोपाल रामकुंवर गुर्जर तथा प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा अरुण शमी उपस्थित थी। मुख्यमंत्री चौहान ने दीप प्रज्ज्वलन के बाद कन्या-पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों के लिए प्रेरक गीत भी प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री चौहान द्वारा प्रत्येक संभाग से प्रावीण्य सूची में सर्वोच्च अंक प्राप्त दो-दो विद्यार्थियों को प्रतीक स्वरूप चेक प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री चौहान ने अधिक अंक अर्जित करने के लिए विद्यार्थियों, उनके माता-पिता, शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि मेरी यही कामना है कि आप प्रगति के पथ पर बढ़ते रहें और महान भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठतम योगदान दें। शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। विद्यार्थियों को यह भाव मन में रखना होगा कि यह अभी पड़ाव है मंजिल आगे है और हमें मंजिल पाने के लिए निरंतर दृढ़-संकल्पित होकर परिश्रम करना है। मुख्यमंत्री चौहान ने आश्वस्त किया कि लेपटॉप के लिए राशि की व्यवस्था कभी बंद नहीं होगी। मुख्यमंत्री चौहान ने स्वामी विवेकानंद की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि व्यक्ति जो लक्ष्य तय करता है और प्रयास करता है वह लक्ष्य अवश्य प्राप्त होता है। विद्यार्थी अपने केरियर के संबंध में निर्णय लें और उसके अनुसार पढ़ाई आरंभ करें। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विद्यार्थियों को माता-पिता और गुरु का सम्मान करने, बहन-बेटियों के प्रति आदर भाव रखने, कभी नशा नहीं करने और अपने जन्म-दिवस पर एक पौधा अवश्य लगाने का संकल्प दिलाया।

प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापतिसर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नए कुलपति होंगे

ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद, नई दिल्ली (आयुष मंत्रालय, भारत सरकार) में रस शास्त्र एवं भेषज कल्पना विभाग के आचार्य प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति अब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के नए कुलपति होंगे। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने राज्य सरकार की सिफारिश पर प्रो. प्रजापति को सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर का नया कुलपति नियुक्त किया है। यह नियुक्ति अगले तीन वर्ष के लिए होगी। प्रजापति के पास देश के टॉप मोस्ट आयुर्वेद संस्थानों में पीजी/पीएचडी क्लासेस में पढ़ाने का 24 वर्षों का विशाल अनुभव है। आईएमएस, बीएचयू वाराणसी, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद जयपुर, आईपीजीटी एंड आरए जामनगर में वह अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इतना ही नहीं, प्रजापति ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद, नई दिल्ली में बतौर डीन भी अपनी सेवा दे चुके हैं।

'तस्वीर इश्क की' रोमांटिक फिल्म से डेब्यू कर रहे हैं अरमान खान

मुम्बई। बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्में जब जब नए चेहरों के साथ रिलीज हुई है तब तब उसका जादू चला है और दर्शक उन किरदारों पर मोहित हुए हैं। हर युवा वर्ग ऐसी फिल्मों में अपनी छवि ढूंढता है और उसके किरदार को अपने दिल के करीब महसूस करने लगता है। फिल्में चाहे किसी भी जॉनर की हो लेकिन रोमांस के बिना अधूरा ही रहता है। हिंदी सिनेमा में दिलीप कुमार, राजकपूर, राजेश खन्ना, जितेंद्र, अमिताभ बच्चन, आमिर खान, सलमान खान, शाहरुख खान, ऋतिक रोशन, रणबीर कपूर जैसे कई अभिनेताओं ने रुपहले पर्दे पर रोमांटिक भूमिका में अपने विशेष अंदाज़ से दर्शकों के दिल-दिमाग पर अमिट छाप छोड़ी है।इनमें खान तिकड़ी (आमिर, शाहरुख, सलमान) तो आज भी लोगों के दिलों में बसते हैं जिनके ब्लॉकबस्टर रोमांटिक फिल्में अनंतकाल तक यादगार बन चुके हैं। इन्हीं खान से प्रेरित होकर नवोदित अभिनेता अरमान खान भी एक

रोमांटिक वेब फिल्म 'तस्वीर इश्क की' से बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के इस्लामपुर निवासी अरमान खान वैसे तो पढ़ाई में होनहार छात्र रहे हैं और उन्होंने हैदराबाद में इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी है लेकिन ग्लैमर की दुनिया उन्हें आकर्षित कर गई। वह 2018 में कोरोना काल से पहले मुम्बई आ गए और स्वयं को अच्छे ढंग से लॉन्च करने के लिए बढ़िया स्क्रिप्ट की तलाश में जुट गए। यूं तो अरमान विविधतापूर्ण किरदार करने में खुद को सहज व सक्षम पाते हैं लेकिन उन्होंने से सबसे पहले एक ऐसी रोमांटिक फिल्म को चुना जो दर्शकों को कुछ हटके लगे। फिर उन्हें 'तस्वीर इश्क की' फिल्म की कहानी पसंद आ गई। इस फिल्म को लेकर वह बेहद उत्साहित हैं क्योंकि उन्होंने पूरे लगन के साथ काम करते हुए हर पहलू पर बारीकी से ध्यान दिया है। अरमान खान ने बताया कि मेरी पहली फिल्म 'तस्वीर इश्क की' एक खूबसूरत फिल्म बनकर तैयार हुई है। इस फिल्म के निर्माण के साथ मैंने बहुत कुछ सीखा और समझा है। यह 6 अक्टूबर 2022 को दुनिया भर में ओटीटी प्लेटफॉर्म जैसे हंगामा प्ले, एम एक्स प्लेयर, वी आई मूवीज एंड टीवी, एयरटेल एक्सट्रीम एंड और भी कई ओ टी टी प्लेटफार्म पर रिलीज होगी। 29 सितंबर 2022 को अखांन फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनी 'तस्वीर इश्क की' वेब फिल्म का ट्रेलर अखांन फिल्म्स के यूट्यूब्र चैनल पर रिलीज किया गया। साथ ही इसका खूबसूरत रोमांटिक गाना 'साहेबाँ' का ऑडियो भी रिलीज हुआ जो सुर्खियों में बना हुआ है।'तस्वीर इश्क की' फिल्म के निर्देशक अज़ीम शेख और छायाकार संतोष के गुप्ता हैं। इस फिल्म में अरमान खान के साथ अंजली शर्मा की मुख्य भूमिका है। साथ ही संदीप चटर्जी, पल्लवी शर्मा और अमर निवेश भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे।इस वेब फिल्म के निर्माता जाकिर हुसैन, प्रिया गुप्ता, वसीम अकरम हैं।सह-निर्माता शिव नाथ गुप्ता, सुभाष चौधरी, राम सिंह यादव, उजैर हाशमी हैं तथा कार्यकारी निर्माता आदिल खान और सहयोगी निर्माता प्रभजोत सिंह (अनरव प्रोडक्शन) हैं।इसके संपादक राम सिंह यादव हैं जबकि पोस्ट प्रोडक्शन का काम सैटेलाइट पिक्चर्स द्वारा किया गया है।इस फिल्म के संगीतकार रूपेश वर्मा, कला निर्देशक प्रशांत शेडेकर,प्रोडक्शन डिजाइनर निकिता शेडेकर हैं। मेकओवर सकिला सिद्दीकी, जावेद और टीम द्वारा किया गया है। वहीं कॉस्ट्यूम्स डिजाइनर फरजाना खान और कॉस्ट्यूम्स स्टाइलिस्ट कविशा सिंह, गायक आरिया लाहा, कोरियोग्राफर संजय यादव हैं।

- संतोष साहू

मेघालय के मुख्यमंत्री ने डिजिटल माध्यम से 50 उत्क्रमित विद्यालयों का उद्घाटन किया

मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने राज्य सरकार की बुनियादी ढांचा सुधार योजना के तहत आधुनिक सुविधाओं से लैस उत्क्रमित (अपग्रेडिड) 50 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। प्रत्एक उत्क्रमित विद्यालय में अन्य सुविधाओं के अलावा पुस्तकालय, उपयुक्त फर्नीचर, कॉमन रूम और शौचालय हैं। इस अवसर पर संगमा ने कहा कि आने वाले दिनों में और भी स्कूलों में चरणबद्ध तरीके से मरम्मत एवं आधुनिकीकरण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल का समूची शिक्षा प्रणाली पर सकारात्मक असर पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को कहा, ऐसे कई स्कूल हैं जिनका उन्नयन

किया जाना है। हम उनका चरणबद्ध तरीके से उन्नयन करेंगे। कार्यक्रम का विस्तार कर इसमें माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले तीन महीनों में अन्य 100 पुनर्निर्मित स्कूल भी उद्घाटन के लिए तैयार रहेंगे।

महिला ने सौतेले बेटे को पीट-पीटकर मार डाला, गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के डोंबिवली कस्बे में एक महिला ने अपने साढ़े तीन साल के सौतेले बेटे की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। तिलक नगर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने बृहस्पतिवार को अमितादेवी संजय जायसवाल (28) को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि घटना बुधवार को उस समय हुई जब लड़के के पिता ने बेटे को घायलावस्था में पाया और उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने कहा कि लड़के की हालत गंभीर हो गई और उसे कलवा के एक सरकारी अस्पताल में ले जाया गया।

प्रोफेसर और स्टुडेंट्स से रू-ब-रू हुए बिहार सरकार के मंत्री संजय कुमार झा

बिहार को जब केंद्र से आईआईटी मिला था, तब इसका कैम्पस कानपुर में स्थापित करने की बात कई स्तरों पर जोर-शोर से चल रही थी। लेकिन, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि आईआईटी, पटना का कैम्पस पटना में ही बनेगा। आज बिहटा में आईआईटी पटना का अपना विशाल कैंपस माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की व्यक्तिगत अभिरुचि के कारण संभव हो पाया है; वरना आईआईटी पटना का कैंपस कानपुर में होता। यह बात आईआईटी, पटना के डीन, एकेडेमिक्स प्रोफेसर एके ठाकुर ने शुक्रवार को आईआईटी पटना में आयोजित बिहार सरकार के

जल संसाधन तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय कुमार झा के साथ संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। संवाद कार्यक्रम में संजय कुमार झा ने जल संसाधनों के विकास के जरिए बिहार में बाढ़ एवं सुखाड़ का प्रबंधन विषय पर अपनी बात रखी और आईआईटी के फैकल्टी तथा स्टूडेंट्स के सवालों के जवाब दिये। कार्यक्रम को आईआईटी पटना के प्रोफेसर सोमनाथ त्रिपाठी, ए. डीन, एडमिन डॉ आसिफ इकबाल, ए. डीन, रिसोर्सेज और डॉ वैभव सिंघल, एचओडी, सिविल इंजीनियरिंग और जल संसाधन विभाग के इंजीनियर इन चीफ (हेडक्वार्टर) रवींद्र के शंकर ने भी संबोधित किया।

नड्डा ने पुरी मंदिर का दौरा किया, भगवान जगन्नाथ के रत्नभंडार-स्थान के बारे में जानकारी ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा अगले विधानसभा चुनाव में जगन्नाथ मंदिर के रत्नभंडार को मुद्दा बनाए जाने की संभावना का संकेत देते हुए पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शुक्रवार को पुरी मंदिर का दौरा किया और मंदिर के खजाने के स्थान के बारे में जानकारी ली। अध्यक्ष पद संभालने के बाद पहली दो-दिवसीय ओडिशा यात्रा पर आए नड्डा ने अपने साथ आए सेवायत से उन्हें रत्न भंडार बाहर से दिखाने के लिए कहा। इस खजाने के आंतरिक कक्ष की चाबी कथित तौर पर गायब है। नड्डा ने बृहस्पतिवार को एक पार्टी की बैठक में रत्नभंडार की

गुम चाबी का मुद्दा उठाया था और इसके लिए नवीन पटनायक सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा था, यहां तक राज्य में भगवान जगन्नाथ का खजाना भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा था, कुछ लोग कहते हैं कि रत्नभंडार की चाबी खो गई है और दूसरों का कहना है कि अधिकारियों के पास डुप्लीकेट चाबी है। ऐसे हालात में लोग क्या उम्मीद कर सकते हैं? लोग डुप्लीकेट सरकार से सिर्फ डुप्लीकेट चाबी की ही उम्मीद कर सकते हैं। नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं से सरकार को बाहर का रास्ता दिखाने को कहा था, जो भगवान जगन्नाथ के खजाने की रक्षा करने में भी विफल थी। उन्होंने कहा था कि ओडिशा में डबल इंजन सरकार (केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार) का समय आ गया है। रत्नभंडार आखिरी बार 1984 में खोला गया था, जबकि श्री जगन्नाथ मंदिर अधिनियम में हर तीन साल में इसके निरीक्षण का प्रावधान है। वर्ष 2018 में इसे खोलने का राज्य सरकार का प्रयास सफल नहीं हो सका था, क्योंकि जिलाधिकारी की अभिरक्षा में जिला कोषागार में रखी जाने वाली आंतरिक कक्ष की चाबी कथित तौर पर गायब थी।

अभियान *किसी भी कार्यकर्ता के मान सम्मान में कोई कमी नहीं होगी: उमेश सिंह कुशवाहा*

पार्टी जिलाध्यक्ष सदस्यता का रिकॉर्ड कायम करेंगे: ललन सिंह

देश जदयू कार्यालय स्थित कर्पूरी सभागार में शुक्रवार को जदयू के तमाम जिलाध्यक्षों व साथियों की एक बैठक सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने पर विचार करने हेतु पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में हुयी। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद राजीव रंजन सिंह ललन जदयू संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष विधान पार्षद उपेन्द्र कुशवाहा, विधान परिषद में पार्टी के मुख्य सचेतक संजय सिंह 'गांधी, पूर्व विधान पार्षद सह प्रवक्ता रणवीर नंदन, प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्रनाथ, डॉ. रणविजय सिंह, रेखा गुप्ता, मुख्यालय प्रभारी महासचिव अरुण कुमार सिंह, मृत्युंजय कुमार सिंह, चंदन कुमार सिंह, सचिव मनीष कुमार, वासुदेव

कुशवाहा, विधायक अजय कुमार चैधरी, ललित कुमार मंडल विधान पार्षद भीष्म सहनी, पूर्व सांसद अष्वमेघ देवी, पूर्व विधान पार्षद रूदल राय, पूर्व विधायक विधायक रंधीर सोनी, पूर्व मंत्री मो. नौषाद आलम, अंगद कुशवाहा, धीरज कुशवाहा आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष श्री सुभाष कुशवाहा ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ने कहा कि हम सभी को पूरे समन्वय के साथ सदस्यता अभियान चलाना है। पार्टी के जिलाध्यक्ष पूरे जिला में सभी के साथ तालमेल कायम करते हुए इस बार सदस्यता का रिकार्ड कायम करेंगे इसका मुझे विश्वास है। पार्टी में हम सभी के एक नेता हैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, हम सभी लोग नीतीश कुमार के नाम से जाने और पहचाने जाते हैं। संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि यहाँ बैठे सभी लोग नेता हैं। हम सभी अनवरत सीखते रहते हैं, एक बार नीतीश ने मुझसे पूछा कि कल की बैठक में आप नजर नहीं आए तो मैंने कहा कि सूचना नहीं थी। उन्होंने तब एक बात कही जो आज भी मैं याद रखता हूँ कि राजनीति में कोई सूचना देता नहीं बल्कि जानकारी मिलने पर आगे आना पड़ता है। कहीं भी स्वस्थ प्रतियोगिता अच्छी बात है, परंतु प्रतियोगिता के क्रम में लकीर मिटाने की बजाए लंबी लकीर खींचने पर ध्यान और ऊर्जा लगानी चाहिए। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि हम सबके एक नेता हैं माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हम सभी एक समान हैं। पार्टी के कार्यकर्ता ही पार्टी की ताकत हैं, उन्हीं के बल पर पार्टी है। पार्टी के किसी भी कार्यकर्ता के मान सम्मान में कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। हम सभी एक नेता, एक बैनर और एक झंडे के नीचे काम कर रहे हैं।

कांग्रेस के पीएफआई के खिलाफ दर्ज मामले वापस लेने की बात छिपाने की कोशिश कर रहे सिद्दरमैया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सिद्दरमैया इस तथ्य को छिपाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं कि उनके नेतृत्व वाली पिछली कांग्रेस सरकार ने प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के खिलाफ दर्ज मामले वापस ले लिए थे। बोम्मई ने कहा कि आरएसएस जैसे देशभक्त संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है एक सवाल के जवाब में बोम्मई ने कहा, उनके (सिद्धारमैया) पास पीएफआई पर लगाए गए प्रतिबंध पर सवाल उठाने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने (मुख्यमंत्री के रूप में) पीएफआई के खिलाफ दर्ज मामले वापस ले लिए

थे और अब इस तथ्य को छिपाने के लिए वह आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं। आरएसएस पर प्रतिबंध क्यों लगाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरएसएस एक देशभक्त संगठन है, जो दलित, गरीब और अनाथ बच्चों के लिए काम करता है और आपदा या बाढ़ आने की सूरत में मदद के लिए सबसे आगे रहता है। बोम्मई ने कहा, एक ऐसे संगठन पर प्रतिबंध लगाने की मांग करना वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है। सिद्धारमैया को इतने निचले स्तर तक नहीं गिरना चाहिए था। केंद्र सरकार द्वारा पीएफआई और उसके कई सहयोगियों पर उनकी कथित आतंकी गतिविधियों के लिए प्रतिबंध लगाने के बाद सिद्धारमैया ने आरएसएस के खिलाफ इसी तरह की कार्वाई की मांग करते हुए आरोप लगाया कि यह संगठन भी सामाजिक शांति को भंग कर रहा है।

टी20 रैंकिंग सूर्यकुमार की हैदराबाद मे खेली गई इस दमदार पारी से भारत ने तीन मैचो की श्रृंखला को 2-1 से अपने नाम किया।

सूर्यकुमार ने टी20 रैंकिंग में दूसरे स्थान की बराबरी की

भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा बुधवार को जारी टी20 अंतरराष्ट्रीय पुरुष रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में एक बार फिर करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर पहुंच गए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के आखिरी मैच में 36 गेंद में 69 रन की मैच विजई पारी खेलने के बाद सूर्यकुमार के नाम 801 रेटिंग अंक हो गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को दो रेटिंग अंकों से पछाड़ कर दूसरा स्थान हासिल किया। सूर्यकुमार की हैदराबाद में खेली गई इस दमदार पारी से भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला को 2-। से अपने नाम किया। वह हालांकि पहले भी दूसरे

स्थान पर पहुंच चुके हैं। उन्होंने अगस्त में वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद यह मुकाम हासिल किया था। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अपने स्थान पर बने हुए हैं जबकि पूर्व कप्तान विराट कोहली ने रैंकिंग में एक स्थान का सुधार किया है। रोहित 13वें तो वहीं कोहली 15वें स्थान पर पहुंच गए। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला की तीन पारियों में क्रमशः 11, 46 और 17 रन बनाए। कोहली ने इन मैचों में दो, 11 और 63 रन की पारियां खेली। इस श्रृंखला में 55, 10 और एक रन की पारी खेलने वाले भारतीय उप-कप्तान लोकेश राहुल को रैंकिंग में चार स्थान का नुकसान हुआ है और वह 22वें पायदान पर फिसल गए हैं। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में प्रभावशाली प्रदर्शन से शीर्ष पर 861 रेटिंग अंकों के साथ अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। गेंदबाजों में भारतीय स्पिनर अक्षर पटेल (18वें) और युजवेन्द्र चहल (26वें) तथा तेज गेंदबाज हर्षल पटेल (37वें) अपनी-अपनी रैंकिंग में सुधार करने में सफल रहे।

गेंदबाजों की रैंकिंग की अगुवाई ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड कर रहे हैं। भवनेश्वर कुमार को हालांकि इसमें नुकसान उठाना पड़ा और वह 10वें स्थान पर खिसक गए। अन्य बल्लेबाजों में मैथ्यू वेड (67वें), कैमरन ग्रीन (67वें) और टिम डेविड (109वें) बल्लेबाजी रैंकिंग में सुधार करने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं।

खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिए आवेदन की समय सीमा बढ़ाई

खेल मंत्रालय ने इस साल राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिए आवेदान जमा कराने की समय सीमा में बुधवार को तीन दिन का इजाफा करते हुए इसे एक अक्टूबर तक कर दिया। इससे पहले मंत्रालय ने आवेदन ऑनलाइन जमा कराने की अंतिम तारीख 27 सितंबर तय की थी। इस वर्ष से एक समर्पित पोर्टल के माध्यम से केवल ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 27 सितंबर, 2022 से बढ़ाकर एक अक्टूबर 2022 (शनिवार) कर दी गई है। बयान के अनुसार, पुरस्कार के लिए पात्र खिलाड़ियों । कोच । संस्थाओं । विश्वविद्यालयों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। उन्हें

समर्पित पोर्टल डीबीटीवाईएएस-स्पोर्ट्स. जीओवी.इन पर स्वयं ऑनलाइन आवेदन करना होगा। बयान में कहा गया, भारतीय ओलंपिक संघ । भारतीय खेल प्राधिकरण । मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघ । खेल संवर्धन बोर्ड । राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों आदि को भी तदनुसार सूचित किया जाता है। एक अक्टूबर, 2022 (शनिवार) के बाद मिलने वाले नामांकन पर विचार नहीं किया जाएगा। खेल पुरस्कार हर साल खेलों में उत्कृष्टता प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कृत करने के लिए दिए जाते हैं। मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार किसी खिलाड़ी को चार साल की अवधि में खेल के क्षेत्र में शानदार और सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है।

बुमराह टी20 विश्व कप के लिए वॉ के शीर्ष पांच खिलाड़ियों में

ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे पूर्व सलामी बल्लेबाज मार्क वॉ ने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपने शीर्ष पांच खिलाड़ियों में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह को जगह दी है। बुमराह ने पीठ की चोट से उबरने के बाद हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की टी20 श्रृंखला में वापसी की जिसे भारत ने 2-। से जीता। बेंगलुरू की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैबिलिटेशन से गुजरने वाले 28 साल के बुमराह पूरी तरह से फिट नजर आए लेकिन उन्होंने अभी अपनी पुरानी लय हासिल नहीं की है। वॉ ने अंतरराष्ट्रीय किकेट परिषद की वेबसाइट से कहा, मुझे लगता है कि वह सभी प्रारूपों में शानदार गेंदबाज है। टी20 क्रिकेट में उसकी विकेट हासिल करने की क्षमता महत्वपूर्ण है। वह डेथ ओवरों में गेंदबाजी कर सकता है और शुरुआती ओवर भी फेंक सकता है। वॉ ने बुमराह के तेज गेंदबाजी जोड़ीदार के रूप में पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी को चुना। शीर्ष पांच में ए दोनों ही तेज गेंदबाज है। अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान, ऑस्ट्रेलिया

के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और इंग्लैंड के जोस बटलर को भी वॉ ने शीर्ष पांच खिलाड़ियों में जगह दी है। वॉ ने कहा, दूसरे छोर पर गेंदबाजी का आगाज करने के लिए मैं नई गेंद के एक अन्य दिग्गज गेंदबाज पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी को चुनूंगा जो बाएं हाथ के शानदार गेंदबाज हैं। शाहीन को विकेट चटकाने वाला गेंदबाज करार देते हुए वॉ ने कहा, वह टीम का मनोबल बढ़ाता है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसकी तरह अन्य खिलाड़ी बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, वह बाएं हाथ का तेज गेंदबाज है जो एक अन्य अंतर है। वह दाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए गेंद को वापस अंदर स्विंग करा सकता है, उसके पास गति भी है इसलिए मैंने उसे दूसरे नंबर पर चुना। राशिद को चुनने पर वॉ ने कहा, वह जितनी भी प्रतियोगिताओं में खेला है, आपको पता है कि वह ऐसा गेंदबाज है जो चार ओवर फेंकेगा। उन्होंने कहा, वह संभवतः दो या तीन विकेट चटकाएगा और वह बल्लेबाजी भी कर सकता है। वह बड़े शॉट खेल सकता है। बटलर को चुनने पर उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह टी20 प्रारूप में संभवतः दुनिया की नंबर एक बल्लेबाज है। वह गेंद को काफी अच्छी तरह हिट करता है। टी20 विश्व कप ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्टूबर से शुरू होगी।

ईरानी कप के लिए शेष भारत की टीम घोषित

नई दिल्ली। अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने सौराष्ट्र के खिलाफ ईरानी कप 2022 मुकाबले के लिए बुधवार को शेष भारत की 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसकी कमान भारत के टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज हनुमा विहारी को सौंपी गई है। रणजी ट्राफी 2019-20 चैंपियन सौराष्ट्र के खिलाफ यह मुकाबला राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट संघ स्टेडियम में एक से पांच अक्टूबर तक खेला जाएगा। सौराष्ट्र के 2019-20 में रणजी चैंपियन बनने के बाद कोविड-19 के कारण लॉकडाउन के कारण यह मुकाबला नहीं खेला जा सका था। इस टूर्नामेंट की तीन साल बाद वापसी हो रही है जिसे महामारी के कारण बंद कर दिया गया था।

फीफा ने छेत्री को सम्मानित किया, उनके जीवन और करियर पर सीरीज जारी की

फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने भारतीय फुटबॉल टीम के करिश्माई कप्तान सुनील छेत्री को सम्मानित करते हुए उनके जीवन और करियर पर तीन कड़ी (एपिसोड) की श्रृंखला जारी की। फीफा ने घोषणा की कि यह तीन कड़ी की श्रृंखला उनके स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म फीफा प्लस पर उपलब्ध होगी। फीफा ने अपने विश्व कप हैंडल से ट्वीट किया, आपको रोनाल्डो और मेस्सी के बारे में सब कुछ पता है, अब सक्रिय पुरुष खिलाड़ियों में तीसरे सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी की कहानी जानिए। सुनील छेत्री-कैप्टन फेंटास्टिक अब फीफा प्लस पर उपलब्ध है। भारत के 38 साल के छेत्री 84 गोल के साथ सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे अधिक गोल करने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। सक्रिय खिलाड़ियों में उनसे अधिक गोल सिर्फ क्रिस्टियानो रोनाल्डो (117) और लियोनल मेस्सी (90) ने ही किए हैं। पहली कड़ी के बारे में फीफा ने कहा, पहली कड़ी हमें वापस वहां ले जाएगी जहां से इसकी शुरुआत हुई... 20 साल की उम्र में उनके भारत की ओर से पदार्पण करने से पहले की कहानी। करीबी साथी, प्रियजन और फुटबॉल के साथियों ने कहानी सुनाने में मदद की- इसके अलावा वह स्वयं भी, उन्हें प्यार से कप्तान, लीडर और लीजेंड भी कहा जाता है। दूसरी कड़ी में राष्ट्रीय टीम की ओर से छेत्री के शानदार प्रदर्शन और उनके शीर्ष स्तरीय विदेशी क्लबों की ओर से पेशेवर फुटबॉल खेलने के सपने का जिक्र है। तीसरी कड़ी में छेत्री अपने पेशेवर करियर के शीर्ष पर पहुंचते हैं और उनकी निजी जिंदगी की जानकारी है। ट्रॉफी और रिकॉर्ड को भी जिक्र है। छेत्री ने 2005 में भारत के लिए पदार्पण करने के बाद से 131 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

त्योहारों पर मुंबई उपनगरीय यात्रियों को प. रेलवे का तोहफा

एक अक्टूबर से लागू होने वाली पश्चिम रेलवे की मुंबई उपनगरीय प्रणाली की नई समय सारणी में, बेहतर यात्री सुविधा सुनिश्चित करने के लिए मुंबई उपनगरीय ट्रेनों हेतु कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। तदनुसार, एक अक्टूबर, 2022 से अतिरिक्त 12 गैर-एसी उपनगरीय सेवाएं और 31 एसी सेवाएं शुरू की जाएंगी, जबकि 50 सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। पश्चिम रेलवे की नए उपनगरीय समय-सारणी की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं: 12 नई नॉन एसी सेवाएं शुरू की जाएंगी (अप दिशा में 7 सेवाएं और डाउन दिशा में 5 सेवाएं) जबकि 4 सेवाएं निरस्त की गई हैं। 15 कोच सेवाओं में 27 सेवाओं की वृद्धि की गई है, जिससे कुल सेवाएं 79 से बढ़कर 106 हो जाएंगी। वर्तमान में 79 पन्द्रह (15) कोच सेवाओं में से 30 सेवाएं शनिवार को नहीं चलती है, किंतु नई उपनगरीय समय सारणी में सभी 106 पंद्रह डिब्बा सेवाएं शनिवार को भी चलेंगी। 93 अतिरिक्त 12 कोच सेवाओं को और बढ़ाने का प्रावधान किया गया है, जो चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। 31 नई एसी सेवाएं शुरू की जाएंगी (अप दिशा में 15 सेवाएं और डाउन दिशा में 16 सेवाएं), जिससे इनकी मौजूदा संख्या 48 सेवाओं से बढ़कर 79 सेवाएं हो जाएंगी। 79 सेवाओं में से 26 सेवाएं (अप दिशा में 13 सेवाएं और डाउन दिशा में 13 सेवाएं) शनिवार और रविवार को नॉन एसी सेवाओं के रूप में चलेंगी। 50 सेवाओं (अप दिशा में 23 सेवाएं और डाउन दिशा में 27 सेवाएं) का विस्तार किया गया है। नई शुरू की गई अतिरिक्त 15 कोच वाली ट्रेन सेवाओं को समायोजित करने की दृष्टि से 23 सेवाओं (अप दिशा में 13 सेवाएं और डाउन दिशा में 10 सेवाएं) के प्रारंभिक/गंतव्य स्टेशनों में बदलाव किया गया है। मुंबई उपनगरीय खंड पर चलने वाली सेवाओं की कुल संख्या 1375 से बढ़कर 1383 हो जाएगी जिसमें 112 हार्बर सेवाएं शामिल हैं। डाउन दिशा में 5 नई सेवाओं में से 1 चर्चगेट से विरार तक फास्ट उपनगरीय सेवा होगी, जबकि शेष धीमी सेवाएं होंगी, चर्चगेट से बोरीवली तक 2 लोकल, अंधेरी से वसई रोड तक 1 और विरार से दहानू रोड स्टेशन तक 1 लोकल सेवा होगी। विरार से बोरीवली तक 1 धीमी उपनगरीय सेवा, वसई रोड से अंधेरी तक 1 धीमी उपनगरीय सेवा और गोरेगांव से चर्चगेट तक 1 धीमी उपनगरीय सेवा।

एक लाख को देंगे सरकारी जॉब : शिवराज

शिवराज सरकार ने 25 लाख लोगों को आठ माह में दिया स्वरोजगार

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश के युवाओं को आश्वस्त किया है कि हर माह दो लाख युवाओं को स्व-रोजगार दिया जाएगा। मुख्यमंत्री गुरूवार को सीहोर जिले के बुदनी में 26 औद्योगिक संरचनाओं का लोकार्पण और भूमि-पूजन करने के बाद समरोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री चौहान ने हितग्राहियों को स्व-रोजगार योजना के चैक और स्वीकृति-पत्र वितरित किए। सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा, सीहोर जिला प्रभारी और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभूराम चौधरी, सांसद रमाकांत भार्गव सहित जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि युवाओं को आगामी एक वर्ष में एक लाख शासकीय सेवाओं में नौकरी दी जायेगी। साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं में रोजगार और स्व-रोजगार भी उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 8

माह में ही 25 लाख युवाओं को स्व-रोजगार से जोड़ा जा चुका है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि तकनीकी और कुशल युवा उद्योग लगाने के लिए आगे आए। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आहवान किया कि युवाओं के लिए ही बनाई गई मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना से 50 लाख रूपये तक का अपना स्व-रोजगार शुरू करें। मध्यप्रदेश सरकार ऋण की गारंटी देगी। साथ ही 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान भी दिया जाएगा। मुख्यमंत्री चौहान ने क्लस्टर आधारित उद्योगों की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए कहा कि एक जगह पर अनेक उद्यमियों के समूह से उत्पादन और रोजगार का बड़ी संख्या में सृजन होना है। मुख्यमंत्री ने बुरहानपुर, इंदौर, भोपाल और नीमच के कलस्टर डेवलपर्स से वर्चुअल संवाद कर उनके उत्पाद और उनके द्वारा दिये जाने वाले रोजगार की जानकारी ली। सभी डेवलपर्स प्रति आभार व्यक्त किया और नया कार्य शुरू करने की शुभकामनाएं दी। चौहान ने हाल ही में मध्यप्रदेश के चीता स्टेट बनने का उल्लेख करते हुए कहा कि हम पहले से टाइगर और तेंदुआ स्टेट है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा किए जाएंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने कलस्टर के साथ आजीविका मिशन की गतिविधियों का उल्लेख करते हुए नागरिकों का आहवान किया कि चीन सहित दुनिया के अन्य उत्पादों के स्थान पर स्थानीय उत्पाद खरीदें। उन्होंने कहा कि बुदनी में 20 करोड़ रूपये की लागत से प्रारंभ हुए खिलौना कलस्टर के खिलौनों की धूम दुनिया में होगी। भोपाल में दवा, बुरहानपुर में कपड़ा, इंदौर में फर्नीचर सहित अन्य सभी जिलों में भी कलस्टर उद्योग आधारित उदाहरण बनेंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने बुदनी में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की। इससे नर्मदापुरम संभाग के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ मिल पाएंगी। उन्होंने बुदनी क्षेत्र में फोर लेन सड़कों के निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि बुदनी के आस-पास आवागमन की बेहतर सुविधाओं से और भी उद्योग आयेंगे, जिनसे पूरा क्षेत्र समृद्ध होगा। चौहान ने नागरिकों से उज्जैन महाकाल लोक के आगामी 11 अक्टूबर को पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा किए जाने वाले लोकार्पण कार्यक्रम में सहभागिता की अपील की।

असम में पीएफआई के तीन दफ्तर सील, सदस्यों पर कड़ी नजर

असम में प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के तीन दफ्तरों को सील कर दिया गया है और उसके सदस्यों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (विशेष शाखा) हीरेन नाथ ने पीटीआई-भाषा को बताया कि यहां हाती गांव में संगठन के असम मुख्यालय के अलावा करीमगंज और बक्सा में भी उसके दफ्तरों को केंद्र द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बाद सील किया गया है। उन्होंने कहा, हम स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं। 27 सितंबर को प्रदेश के आठ जिलों से पीएफआई के 25 कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद से इस सिलसिले में और कोई गिरफ्तारी नहीं की गई है। पुलिस द्वारा दर्ज मामलों में वांछित सभी लोगों को हम गिरफ्तार करेंगे। उन्होंने कहा कि 25 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और संबंधित जिलों की पुलिस उनकी जांच कर रही है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जांच की निगरानी की जा रही है। नाथ ने कहा कि असम पुलिस की विशेष अभियान इकाई (एसओयू) ने 22-23 सितंबर को पीएफआई की गतिविधियों से जुड़ाव के लिए 11 लोगों को गिरफ्तार किया था और राज्य पुलिस मुख्यालय इन मामलों की निगरानी कर रहा है। नाथ एसओयू के प्रमुख भी हैं। इस बीच, पीएफआई के एक गिरफ्तार कार्यकर्ता फरहाद अली जो एआईयूडीएफ बारपेटा जिले का महासचिव भी है को प्रतिबंध की घोषणा के तत्काल बाद पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया गया है। विपक्षी दल एआईयूडीएफ के महासचिव (संगठन) अमीनुल इस्लाम ने कहा कि अली को निलंबित कर दिया गया है और उनसे सभी जिम्मेदारियां वापस ले ली गई हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य अब्दुल खालेक ने पीटीआई-भाषा को बताया कि केंद्र को लोगों को प्रतिबंध की वास्तविक वजह बतानी चाहिए और यह भी बताना चाहिए कि कौन सी राष्ट्रविरोधी गतिविधियां थी जिनके आधार पर असम में यह कदम उठाया गया। लोगों को यह जानने का हक है कि वह कौन सी राष्ट्रविरोधी गतिविधि थी जिसके लिए पीएफआई को प्रतिबंधित किया गया। हम जानते हैं कि असम में किसी कार्यकर्ता के यहां से कोई हथियार या गोला-बारूद नहीं मिला है अगर यह नफरती बयानबाजी या मिथ्या प्रचार के लिए किया गया हैं।

मौनी रॉय

ग्लैमरस तस्वीरों से लगाती हैं आग

अपनी खूबसूरती, फिटनेस और दिलकश अंदाज के साथ ही अपनी बेहतरीन एक्टिंग से सभी का दिल जीतने वालीं मौनी रॉय , 28 सितंबर को अपना जन्मदिन मनाती हैं। मौनी रॉय इंस्टा पर काफी एक्टिव रहती हैं और खूब तस्वीरें- वीडियोज शेयर करती हैं। जन्मदिन के खास मौके पर आपको दिखाते हैं मौनी रॉय का जन्म 28 सितंबर 1985 को बिहार में हुआ था। एक्टिंग मौनी के जीन्स में हैं ये बात कहना शायद गलत नहीं होगी। मौनी के ग्रैंडफादर शेखर चंद्र रॉय और मम्मी मुक्ति जानी मानी थियेटर आर्टिस्ट रहे हैं। मौनी रॉय ने स्कूलिंग के बाद जामिया मिलिया इस्लामिया में मास कम्यूनिकेशन कोर्स में एडमिशन लिया लेकिन पढ़ाई पूरी होने के पहले ही मायानगरी मुंबई में किस्मत आजमाने आ गईं। 2007 में एकता कपूर के शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से एक्टिंग डेब्यू किया और फिर 'श्श्श..फिर कोई है', 'देवों के देव महादेव' जैसे शोज में भी नजर आईं। एकता कपूर के सुपरनेचुरल शो 'नागिन 1', 'नागिन 2', 'नागिन 3' की सफलता के बाद मौनी रॉय सबसे महंगी टीवी एक्ट्रेस में शुमार हो गईं।

मौनी ने रियलिटी शो 'इ ल क दिखला जा 7' में भी हिस्सा लिया। मौनी ने सिर्फ टीवी ही नहीं बल्कि बॉलीवुड में गोल्ड, 'रोमियो अकबर वॉल्टर', 'मेड इन चाइना' जैसी फिल्मों भी अपना जलवा बिखेरा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मौनी को लग्जरी कार्स का शौक है। एक्ट्रेस के पास करीब डेढ़ करोड़ की कीमत वाली मर्सेडीज जीएलएस 350 ष्ठ और 67 लाख की मर्सेडीज बेंज ई क्लास भी है। यही नहीं इसके अलावा कहा जाता है कि मौनी रॉय मुंबई में दो अपार्टमेंट्स की मालकिन भी हैं। फिल्मों और टीवी शोज के अलावा मौनी, एड फिल्मों, ब्रांड एंडोर्समेंट और सोशल मीडिया से भी कमाई करती हैं। बता दें कि मौनी रॉय की शादी बिजनेसमैन सूरज नांबियार से हुई है और कपल सोशल मीडिया पर अक्सर एक दूजे के लिए प्यार लुटाता दिखता है। गौरतलब है कि हाल ही में मौनी फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आई थीं। फिल्म में मौनी का निगेटिव रोल था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। मौनी रॉय के फैन्स उन्हें ऐसे किरदार में देख खुश हो गए थे। बता दें कि मौनी रॉय इंस्टाग्राम पर खूब एक्टिव रहती हैं, उनके फोटोज और वीडियो तेजी से वायरल होते हैं।

अजय देवगन

ने लोगों को फिर याद दिलाई 2 अक्टूबर की तारीख

अजय देवगन की दृश्यम ने रिलीज के बाद दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी थी। सस्पेंस थ्रिलर इस फिल्म में लोगों को अजय देवगन का अंदाज काफी पसंद आया था। अब अजय जल्द ही दृश्यम 2 के लेकर आने वाले हैं। इस बीच उनके एक पोस्ट ने लोगों की बेताबी को और अधिक बढ़ा दिया है। दरअसल, अभिनेता ने सोमवार को ट्विटर पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें दृश्यम से जुड़ी चीजें नजर आ रही हैं। इन फोटोज में बस के टिकट, फिल्म के टिकट,रेस्टोरेंट के बिल और स्वामी चिन्मयानंद जी की सीडी नजर आ रही है। तस्वीरों को साझा करते हुए अजय ने कैप्शन में लिखा, कुछ पुराने बिल हाथ लगे आज। उनके इस पोस्ट से फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं, क्योंकि दृश्यम फिल्म को 2 अक्टूबर के इर्द-गिर्द ही बुना गया था। इस ट्वीट पर लोगों के रिएक्शन आने शुरू हो गए हैं। एक यूजर ने लिखा, दृश्यम 2 का बेसब्री से इंतजार है। एक और यूजर ने लिखा, ये तारीख सबको याद है। एक अन्य यूजर ने लिखा, मुझे 2014 याद आ गया। इसके अलावा बहुत से यूजर्स इस पोस्ट पर फायर इमोजी भी शेयर कर रहे हैं। बता दें कि अजय देवगन की यह फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्देशन निशिकांत कामत ने किया था। इस फिल्म में अजय के अलावा श्रिया सरन, तब्बू, इशिता दत्ता नजर आई थीं। बॉक्स ऑफिस पर भी इस फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन किया था। कम बजट में बनी इस फिल्म ने कुल 67.17 करोड़ का बिजनेस किया था। वर्क फ्रंट की बात करें तो अजय जल्द ही फिल्म थैंक गॉड में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह भी दिखेंगी। इसका निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है। हाल ही में फिल्म को लेकर काफी विवाद भी हो चुका है। इसकी कहानी की वजह से लोग फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं।

दिल्ली में ऋचा और अली की शादी समारोह में क्या कुछ होने वाला है खास?

दिल्ली के प्रतिष्ठित स्ट्रीट फ़ूड से लेकर प्रकृति से प्रेरित सजावट से लेकर राहुल मिश्रा, क्रेशा बजाज और अबू जानी और संदीप खोसला की शादी की पोशाक तक - ऋचा और अली के बहुप्रतीक्षित शादी समारोहों के बारे में सब कुछ जानें जो कल से शुरू हो रहे हैं! ऋचा चड्ढा और अली फज़ल 2 साल से अधिक समय के इंतज़ार के बाद एक विवाहित जोड़े के रूप में एकजुट होने के लिए तैयार हैं। दोनों इस ऐतिहासिक पल को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उनकी शादी के पीछे की टीमें कुछ बेहतरीन तैयारियों के साथ इस जोड़े का राष्ट्रीय राजधानी में स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। समारोह कल और शुक्रवार से दिल्ली भर में दो अलग-अलग स्थानों पर शुरू होने वाले हैं। ऋचा जिनका जन्म अमृतसर में हुआ था और दिल्ली में पली-बढ़ी, उनका इस शहर से खास जुड़ाव रहा है, जहां वे पली-बढ़ी हैं। शादी में वे सभी तत्व होंगे जो अपने पसंदीदा भोजन का जश्न मनाने वाले जोड़े के लिए अद्वितीय हैं।

दीपिका

की तबीयत फिर बिगड़ी

दीपिका पादुकोण की तबीयत अचानक से फिर से बिगड़ गई जिसके बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दीपिका को बेचैनी और सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। उन्हें तुरंत अस्तपाल ले जाया गया। दीपिका अस्पताल में भर्ती हुई थीं। उनके कई टेस्ट किए गए जिसमें उन्हें आधा दिन लग गया। अभी उनकी हालत बेहतर बताई जा रही है। दीपिका के टीम से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन अभी आधिकारिक रूप से इस बारे में जानकारी सामने नहीं आई है। करीब एक महीने पहले भी दीपिका की तबीयत खराब हुई थी। उस वक्त वह हैदराबाद में फिल्म 'प्रोजेक्ट के' की शूटिंग कर रही थीं। तब उनकी दिल की धड़कनें बढ़ गई थीं। उस वक्त दीपिका को कामिनेनी अस्पताल में जांच के लिए भर्ती कराया गया था और लगभग आधे दिन वह अस्पताल में रही थीं। दीपिका की तबीयत जब हैदराबाद में खराब हुई थी तो फिल्म के प्रोड्यूसर ने इससे इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि वो रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल गई थीं। इसकी वजह थी कि वह कोविड-19 से कुछ समय पहले ही रिकवर हुई थीं। दीपिका की आने वाली फिल्मों में 'पठान' है। वह शाहरुख खान के अपोजिट हैं। उनके अलावा जॉन अब्राहम भी अहम रोल में हैं। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित यह फिल्म 25 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में आएगी। इसके अलावा दीपिका, ऋतिक रोशन के साथ 'फाइटर' कर रही हैं। 'प्रोजेक्ट के' में वह प्रभास और अमिताभ बच्चन के साथ हैं।

कंगना की इमरजेंसी में बाबू जगजीवन राम की भूमिका निभाएंगे सतीश कौशिक

अभिनेता और फिल्मकार सतीश कौशिक कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी में काम करेंगे। फिल्म के निर्माताओं ने बुधवार को यह घोषणा की। कौशिक को मिस्टर इंडिया , दीवाना मस्ताना और साजन चले ससुराल में अविस्मरणीय अभिनय करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने सलमान खान अभिनीत तेरे नाम का निर्देशन किया था। कौशिक, रनौत की आगामी फिल्म इमरजेंसी में स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम की भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म को भारत के राजनीतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना को कहानी के तौर पर पेश किया जा रहा है जिसे रनौत ने लिखा है और वह इसकी निर्देशक भी हैं। वह इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में दिखाई देंगी। कौशिक ने एक बयान में कहा, जब आप किसी ऐतिहासिक या राजनीतिक व्यक्तित्व की भूमिका निभाते हैं तो आपको उस व्यक्ति के बारे में बहुत कुछ पढ़ना और शोध करना पड़ता है। इमरजेंसी में भारत के पूर्व रक्षा मंत्री बाबू जगजीवन राम की भूमिका को निभाना बड़ी बात है। दलित नेता जगजीवन राम ने पिछड़ों के उत्थान के लिए काम किया था। उनकी जयंती के अवसर पर देश में समता दिवस मनाया जाता है। वह 35 वर्षों तक कैबिनेट मंत्री थे और कई अहम पदों पर काम किया। रनौत ने कहा कि कौशिक जगजीवन राम की भूमिका के लिए बिलकुल सही चयन हैं।

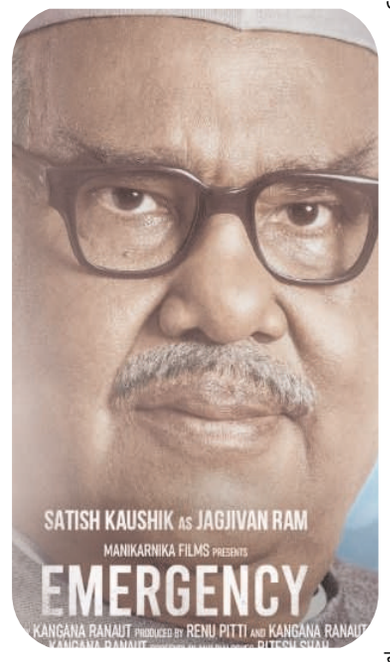

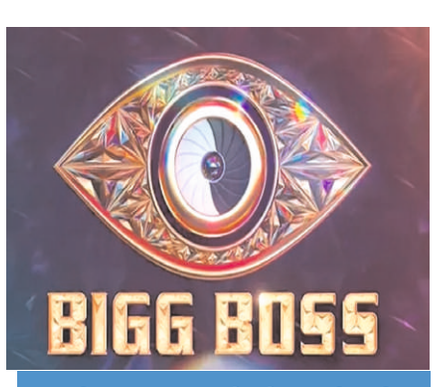

बाकी पॉपुलर कंटेस्टेंट की फीस

हिना खान- 25 लाख रुपये
गौहर खान- 20 लाख रुपये
राहुल वैद्य - 1 लाख रुपये
निक्की तंबोली- 1.2 लाख रुपये
पवित्रा पुनिया - 1.5 लाख रुपये
अभिनव शुक्ला - 1.5 लाख रुपये
एजाज खान - 1.8 लाख रुपये
निशांत सिंह मलकानी- 2 लाख रुपये
सारा गुरपाल- 2 लाख रुपये
जैस्मीन भसीन- 3 लाख रुपये
रुबीना दिलाइक - 5 लाख रुपये

करोड़ों रुपए है बिग बॉस कंटेस्टेंट की फीस!

इंडियन टीवी इंडस्ट्री के सबसे पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस शो को शुरू होने में दो ही दिन बाकी हैं। शो शुरू होने से पहले ही शो के कंटेस्टेंट के बारे में हर एक अपडेट सुर्खियों में छाया हुआ है। हर बार की तरह इस बार भी कंफर्म कंटेस्टेंट की लिस्ट को लेकर गॉसिप वर्ल्ड में खूब चर्चाएं हैं। खैर हर बार की तरह इस सीजन भी कंटेस्टेंट और शो से होने वाली उन्हें कमाई जानने में भी शो फैन्स की दिलचस्पी रहती है। हर सीजन में कई बड़ी हस्तियों की भारी फी अमाउंट की अदायगी के साथ बिग बॉस के घर में एंट्री होती है। बिग बॉस कंटेस्टेंट की फीस हमेशा से टॉक ऑफ टाउन टॉपिक रहा है। इस बार के सीजन के लिए भी कुछ दिनों पहले नागिन एक्ट्रेस को हाईएस्ट फीस देकर इस शो में एंट्री की खबरें चर्चा में रहीं थी लेकिन एक्ट्रेस इन खबरों को गलत बताया था। तो आइए बिग बॉस सीजन के उन कंटेस्टेंट के बारे में बताते हैं जो इस शो के लिए अच्छी खासी फीस पाने को लेकर चर्चाओं में रहे। बिग बॉस शो में आने के बाद से टीवी एक्टर करण कुंद्रा के सितारे बुलंदियों पर है। आपको बता दें इस शो में करण तेजस्वी प्रकाश के साथ अपने लव एंगल को लेकर चर्चाओं में रहे ही थे साथ ही ये एक्टर शो की फीस को लेकर भी खबरों में छाया रहा। खबरों के मुताबिक बिग बॉस 15 के कंटेस्टेंट्स करण कुंद्रा को फीस के तौर पर मोटा अमाउंट दिया गया. खबरों की माने तो सूत्रों के मुताबिक, एक्टर ने इस शो के लिए करीब 4.5 करोड़ रुपये चार्ज किए। ये फीस बिग बॉस की अब तक की हिस्ट्री में किसी कंटेस्टेंट को फीस के तौर पर अदा की गई सबसे बड़ा फी अमाउंट है। हालांकि एक्टर या शो मेकर कभी इन चर्चाओं पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। और अगर ये चर्चा सही है तो करण कुंद्रा बिग बॉस शो की हिस्ट्री में अब तक के हाइएस्ट पेड सेलेब हैं। शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा को लेकर हाल ही में खबर आई कि वह बग बॉस में शामिल हो सकते हैं। राज कुंद्रा के बिग बॉस में एंट्री को लेकर पिछले दिनों ये खबर आईं कि इस शो में बतौर कंटेस्टेंट आने के लिए राज अच्छी खासी रकम ले रहे हैं।

बिग बॉस शो के अब तक के टॉप 10 हाइएस्ट पेड कंटेस्टेंट

1. करण कुंद्रा (सीजन 15)- 4.5 करोड़ रुपये पूरे सीजन के लिए
2. पामेला एंडरसन- घर में तीन दिन रहने के लिए उन्हें 2.5 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था।
3. रश्मि देसाई (सीजन 13) - 1.2 करोड़ रुपसे पूरे सीजन के लिए
4. रिमी सेन (सीजन 9) - 2 करोड़ रुपये शो के लिए
5. सिद्धार्थ शुक्ला- 32 लाख रुपये हर हफ्ते
6. खली (सीजन 4) - 50 लाख रुपये हर हफ्ते
7. श्रीसंत (सीजन 12) - 50 लाख रुपए हर हफ्ते
8. करणवीर बोहरा (सीजन 12) - 20 लाख रुपये हर हफ्ते
9. दीपिका कक्कड़ (सीजन 12) - 15 लाख हर हफ्ते
10. करिश्मा तन्ना (सीजन 8) - 10 लाख हर हफ्ते

औद्योगिक विज़िट: डिजाइन सीखने वालों के लिए एक शानदार तरीका

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

हम ऐसे समय में रह रहे हैं जो विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी हैं, बाजार में हर दिन नवीन उत्पाद जोड़े जाते हैं। उपभोक्ता बाजार में बढ़ती मांग के साथ, डिजाइन पेशेवरों को नवीनतम रुझानों के बारे में अपडेट रहना होगा। उद्योग यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि नवीनतम उत्पाद वास्तविक समय में उपभोक्ता तक पहुंचे। उद्योग अपनी उपस्थिति को दृश्यमान बनाने के लिए सार्वजनिक कार्यक्रमों में मॉल, खुले मेलों और प्रदर्शन स्टालों में प्रदर्शनियों की शुरूआत चाहता है।

उद्योग ने एक कदम और आगे बढ़ाया है और उद्योग-संस्थान कनेक्ट को बढ़ावा देने के लिए संस्थानों की भागीदारी को प्रोत्साहित कर रहा है ताकि डिजाइन के क्षेत्र से उभरते पेशेवर नवीनतम नवाचार के बारे में जागरूक हो सकें। छात्रों को उद्योग के नवप्रवर्तनकर्ताओं द्वारा प्रतिष्ठानों का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया जाता है और उन्हें नवीनतम उत्पादों, उपकरणों और फिक्स्चर के बारे में जानकारी दी जाती है।

कार्यक्रम अक्सर ऐसे उद्योगों द्वारा 15-20 छात्रों के समूहों या बैचों में आयोजित किए जाते हैं, जिससे उन्हें इंटरेक्टिव वर्कशॉप का लाभ उठा रहे हैं और अपने आत्मविश्वास के साथ-साथ क्षमता को भी विकसित कर रहे हैं।

ऐसी यात्राओं के प्रारूप की योजना पहले से बनाई जाती है और आमतौर पर 3-6 घंटे के समय की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम में उत्पाद के बारे में विशेषज्ञ द्वारा ब्रीफिंग, प्रदर्शन के बाद और फिर कभी-कभी कार्य तंत्र का अनुभव करने के लिए व्यावहारिक घटक भी

विवरणों की पूरी समझ होती है और संदेहों को हल करने के लिए अपने प्रश्नों को उठाने का अवसर मिलता है। कंपनियां इसे दोतरफा प्रक्रिया के रूप में देख रही हैं, इससे न केवल उन्हें उत्पादों के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद मिलती है बल्कि तत्काल प्रतिक्रिया और उपभोक्ता प्रतिक्रिया भी मिलती है। आर्किटेक्चर, इंटीरियर, प्रोडक्ट या फ़र्नीचर डिज़ाइन के क्षेत्र के छात्र इस शामिल होता है। पर्यावरणीय दक्षता और प्रदर्शन में उनकी दक्षता के लिए उत्पादों को उनकी उपयुक्तता के लिए बढ़ावा दिया जाता है।

उपयोगकर्ता अनुभव, आराम, लागत और वहनीयता कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिन्हें छात्र ग्रासिंग में रुचि लेते हैं ताकि वे भविष्य में अपनी परियोजनाओं के लिए आत्मविश्वास से इसकी सिफारिश कर सकें।

महाराष्ट्र में सूचना का अधिकार दिवस मनाया गया

➢ आरटीआई कानून का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल पर आरटीआई गोष्ठी मे जोर
➢ श्रम आयुक्त, कुर्ला एल वार्ड एवं पनवेल में सूचना का अधिकार दिवस मनाया गया

गणेश पाण्डेय। मुंबई

महाराष्ट्र में सूचना का अधिकार दिवस मनाया गया। इस दिन के महत्व को समझाते हुए, आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने जोर देकर कहा कि अधिकतम नागरिकों को आरटीआई अधिनियम का उपयोग करने की आवश्यकता है, जबकि सरकारी एजेंसियों को नागरिकों के साथ समान रूप से सहयोग करने की आवश्यकता है। आरटीआई कार्यकर्ता अनिल

गलगली ने बांद्रा स्थित श्रम आयुक्त भवन, कुर्ला एल वार्ड और पनवेल में कांग्रेस भवन में अलग-अलग सत्रों में आयोजित व्याख्यान में भाग लिया।आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने कहा कि यह पहली बार है कि जनता के लिए एक कानून पारित किया गया है जो 30 दिनों के भीतर सूचना की गारंटी देता है। अब यह लोगों की जिम्मेदारी है कि वे कानून का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करें और उसे सफल बनाएं। बांद्रा स्थित श्रमयुक्त भवन में उपायुक्त भास्कर मोर्डे, सहायक आयुक्त रोहन रुमाले, सतीश तोटावर, प्रवीण कावले, संतोष कोकट, आनंद भोसले, अविनाश वडे, राजेश जाधव मौजूद थे. कुर्ला एल वार्ड में वार्ड कमेटी में आयोजित चर्चा सत्र में सहायक आयुक्त महादेव शिंदे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की. अनिल गलगली ने दोनों स्थानों पर जन सूचना अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। जनजागृति उपभोक्ता मंच रायगढ़, पनवेल शाखा और पनवेल तालुका सेवानिवृत्त सेवक मंडल ने कांग्रेस भवन हॉल में सूचना का अधिकार दिवस पर नागरिकों का मार्गदर्शन किया। इस मौके पर केएल जाधव, बीपी म्हात्रे, सुभाष फड़के, रमेश चव्हाण, शिवदास पालकर, रत्नाकर कुलकर्णी मौजूद थे।

पश्चिम रेलवे इन रुट पर चलेगी त्यौहार विशेष ट्रेनें, लोगों को नहीं होगी टिकट की टेंशन

संवाददाता मुंबई:

त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे ने बांद्रा टर्मिनस-जम्मू तवी, मुंबई सेंट्रल-बनारस, ओखा-दिल्ली सराय रोहिल्ला और अहमदाबाद-पटना के बीच विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है।

बांद्रा टर्मिनस-जम्मू तवी एसी सुपरफास्ट 09097 बांद्रा टर्मिनस-जम्मू तवी एसी सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक रविवार को बांद्रा टर्मिनस से रात 9.50 बजे प्रस्थान कर मंगलवार को 8.40 बजे जम्मू तवी पहुंचेगी। ट्रेन 16 अक्टूबर से 27 नवंबर तक चलेगी। 09098 जम्मू तवी-बांद्रा टर्मिनस एसी सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को जम्मू तवी से 11.20 बजे प्रस्थान कर और गुरुवार को 10.10 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

ट्रेन 18 अक्टूबर से 29 नवंबर तक चलेगी। मुंबई सेंट्रल-बनारस एसी स्पेशल (साप्ताहिक) 09183 मुंबई सेंट्रल-बनारस एसी स्पेशल प्रत्येक बुधवार को मुंबई सेंट्रल से रात 10.50 बजे प्रस्थान कर और शुक्रवार को 10.30 बजे बनारस पहुंचेगी। ट्रेन 12 अक्टूबर से 30 नवंबर तक चलेगी। 09184 बनारस-मुंबई सेंट्रल एसी स्पेशल हर शुक्रवार को बनारस से 2.30 बजे प्रस्थान कर रविवार को 04.35 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। ट्रेन 14 अक्टूबर से 02 दिसंबर तक चलेगी। ओखा-दिल्ली सराय रोहिल्ला सुपरफास्ट स्पेशल 09523 ओखा-दिल्ली सराय रोहिल्ला सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को ओखा से 10 बजे प्रस्थान कर और अगले दिन 10.10 बजे दिल्ली सराय रोहिल्ला पहुंचेगी। 18 अक्टूबर से 29 नवंबर तक चलेगी।

सूरत के डिंडोली विस्तार में जी 9 बिजनेस सेंटर मैं जी 9 गरबा महोत्सव 2022 का शानदार आयोजन

सूरत के G9 बिजनेस सेंटर के मालिक श्रीमान गिरीश भाई मांणिया ने इस बार 2022 में जी 9 गरबा महोत्सव का शानदार आयोजन किया और इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डांस मास्टर प्रकाश बटाला हरियाली ढोलारिया और अजय खिलारे सागर पटेल मैनेजर (जिम्मी इंटरप्राइज) टीम मैनेजमेंट संदीप चौधरी विशाल चंडेलऔर फोटोग्राफर यश मेहरोत्रा सहयोग दिया इस बार रास रंग गरबा खेलने आने वाले युवक-युवतियों को सबसे अच्छा खेलैया को हर रोज 6 इनाम और ट्राफी वितरण कर रहे हैं और खेलैया भी अलग-अलग ट्रेडिशनल और रंग बिरंगी ड्रेस पहनकर खेल का आनंद रहे हैं

दीपावली से पहले बड़ा झटका, लोन दरें बढ़ीं, जीडीपी वृद्धि के अनुमान में क्यों हुई कटौती?

रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने एक बार फिर ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। इससे रेपो रेट (REPO RATE) बढ़कर रिकॉर्ड 5.90 फीसदी तक पहुंच गया है। इसका सीधा असर आपकी जेब पर पड़ेगा। रेपो रेट में बढ़ोतरी के कारण ऑटो लोन, होम लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई के रूप में आपको ज्यादा पैसा चुकाना पड़ेगा। इस बीच ग्राहकों के लिए यह राहत भरी खबर हो सकती है कि इस वित्त वर्ष में महंगाई दर छह फीसदी के करीब रह सकती है। रिज़र्व बैंक ने वित्त वर्ष 2022-23 में जीडीपी में वृद्धि दर का अनुमान 7.2 फीसदी से घटाकर 7.0 फीसदी कर दिया है। इसका कारण ग्लोबल महंगाई के कारण निर्यात में कुछ कमी आने की आशंका और रेपो रेट में बढ़ोतरी के कारण कुछ घरेलू सेक्टर में मांग में कमी आने की आशंका हो सकती है। हालांकि, इस वर्ष पूरे देश में पहले बारिश की कमी और बाद में ज्यादा बारिश के कारण फसलों को हुए नुकसान के कारण भी ऐसा हुआ हो सकता है। तेज महंगाई से जूझ रही दुनिया भर की सरकारों ने महंगाई में कमी लाने के लिए रेपो रेट बढ़ाने के आजमाए नुस्खे को आजमाया है। इसके पहले अमेरिकी और यूरोपीय देशों की सरकारों ने अपने यहां रेपो रेट में बढ़ोतरी की थी। अमेरिका ने हाल ही में रेपो रेट में 75 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी की थी। इससे भारतीय रूपये पर दबाव बढ़ रहा था। RBI के द्वारा रेपो रेट में वृद्धि का एक कारण यह भी माना जा रहा है।

हालांकि, आर्थिक जानकारों का मानना है कि देश में घरेलू महंगाई की दर में कमी आ रही थी, लिहाजा त्योहारों का सीजन देखते हुए मांग को बनाए रखने के लिए इस बढ़ोतरी को एक महीने के करीब टाला जा सकता था। रेपो रेट में बढ़ोतरी के कारण ऑटो और होम लोन महंगे हो जाएंगे। इससे वे लोग इन क्षेत्रों में निवेश करने से पीछे हट सकते हैं जो कोई मिड रेंज की गाड़ी खरीदना चाहते थे, या नये भवन की खरीद की योजना बना रहे थे। इससे इन सेक्टरों में मांग में कमी आ सकती है। इससे कुछ क्षेत्रों में उत्पादन पर भी असर पड़ सकता है। केंद्र के प्रयासों से मिली राहआर्थिक मामलों के जानकार भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सईद जफर इस्लाम ने अमर उजाला से कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों से महंगाई को कम करने की दिशा में लगातार सफलता मिल रही है। आरबीआई के द्वारा रेपो रेट में की गई बढ़ोतरी भी महंगाई को कम कर जनता को राहत पहुंचाने की एक सफल कोशिश है। उन्होंने कहा कि पहले तिमाही में यह देखा गया था कि वस्तुओं की खपत ज्यादा बढ़ रही थी, जिससे महंगाई में बढ़ोतरी हो रही थी, इसे एक सीमा में रखने के लिए आरबीआई के पास यही विकल्प उपलब्ध था। इस दृष्टि से आरबीआई के इस कदम को सही दिशा में उठाया गया कदम कहा जा सकता है। पूर्व भाजपा सांसद डॉ. सईद जफर इस्लाम ने कहा कि विदेश में महंगाई दर रिकार्ड ऊंचा होने के कारण निर्यात में कुछ कमी आने की आशंका है, जिसके कारण जीडीपी की वृद्धि में कुछ कमी आने की आशंका जताई गई है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि अपनी कीमतों और गुणवत्ता के कारण भारतीय उत्पादों की विदेशों में मांग बनी रहेगी जिसका लाभ अंतरराष्ट्रीय निर्यातकों को मिलता रह सकता है।

महंगाई में कितनी राहत होगी

आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ नरेंद्र तनेजा ने अमर उजाला से कहा कि भारत में महंगाई पर सबसे ज्यादा असर तेल-गैस के मूल्यों का पड़ता है, क्योंकि इसका सर्वाधिक हिस्सा हमें आयात करना पड़ता है। तेल कीमतों में वृद्धि का सीधा असर माल ढुलाई के रूप में सभी वस्तुओं पर पड़ता है, जिससे महंगाई में वृद्धि हो जाती है। इस समय रुपये की कीमतों में लगातार गिरावट हो रही है जिसके कारण भारत को तेल कीमतों के रूप में ज्यादा पैसा चुकाना पड़ रहा है।

आधार कार्ड धारक सावधान

UIDAI ने जारी की चेतावनी, फ्रॉड से बचने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

आधार कार्ड काफी जरूरी दस्तावेज है।

आज विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ से लेकर बच्चों के एडमीशन, नौकरी या अन्य जगहों पर आधार कार्ड उपयोग में आ रहा है। आधार कार्ड आने के बाद सरकारी योजनाओं का लाभ बिना रुकावट सीधे लाभार्थी तक पहुंच रहा है। ऐसे में इस कार्ड की काफी ज्यादा उपयोगिता हम लोगों के लिए है। आधार कार्ड में हमारी कई जरूरी जानकारी दर्ज होती है। इसमें हमारी बायोमेट्रिक और डेमोग्राफिक डिटेल्स होती है। वहीं दूसरी तरफ बीते कुछ सालों में आधार कार्ड से जुड़े फ्रॉड की संख्या में भी एक बड़ा इजाफा देखने को मिला है। इसी कड़ी में आधार कार्ड जारी करने वाली संस्था भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) ने आधार कार्ड धारकों को इससे जुड़े फ्रॉड से बचने की सलाह दी है। इसी सिलसिले में आइए जानते हैं इसके

बारे में विस्तार से -

यूआईडीएआई ने आधार कार्ड धारकों को सलाह देते हुए कहा है कि ई-आधार कार्ड को डाउनलोड करते समय इंटरनेट साइबर कैफे या किसी ऐसे कंप्यूटर का इस्तेमाल न करें, जिसका इस्तेमाल सार्वजनिक तौर पर किया जाता है।

अगर आपका काम बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आप किसी सार्वजनिक कंप्यूटर से अपना ई-आधार कार्ड डाउनलोड कर रहे हैं। ऐसे में इस बात का खास ध्यान रखें कि उसे कंप्यूटर में डाउनलोड करने के बाद इस्तेमाल करके डिलीट कर दें।

इस बात का खास ध्यान रखें कि फाइल डिलीट करने के बाद वह Recycle Bin में चली जाती है। आपको उसे रिसाइकिल बिन से भी डिलीट कर देना है, ताकि उसका कोई गलत इस्तेमाल न कर सके।

बीते कुछ सालों से देश भर में आधार फ्रॉड से जुड़ी कई घटनाएं सामने निकलकर आ रही हैं। ऐसे में अगर आप अपने आधार कार्ड को सुरक्षित करना चाहते हैं। ऐसे में आपको मास्क्ड आधार कार्ड का इस्तेमाल करना चाहिए। मास्क्ड आधार कार्ड में 12 अंकों के आधार नंबर के शुरुआती 8 अंक छुपे होते हैं।

मुंबई सेंट्रल से गांधीनगर के बीच दौड़ेगी 'वंदे भारत' एक्सप्रेस ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे 30 सितंबर 2022 से गांधीनगर केपिटल और मुंबई सेंट्रल के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करने जा रही है। यह ट्रेन यात्रियों को विश्व स्तरीय आराम और सुविधाएं प्रदान करेगी। पूरी तरह से वातानुकूलित वंदे भारत में कई आधुनिक विशेषताएं हैं जैसे स्लाइडिंग दरवाजे, व्यक्तिगत रीडिंग लाइट, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, अटेंडेंट कॉल बटन, बायो-टॉयलेट, स्वचालित प्रवेश और निकास द्वार, सीसीटीवी कैमरे, रिक्लाइनिंग सुविधा, आरामदायक सीटें हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 सितंबर, 2022 को 10.30 बजे वंदे भारत एक्सप्रेस को गांधीनगर केपिटल रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। अहमदाबाद और मुंबई सेंट्रल के बीच उद्घाटक यात्रा के लिए यात्री अपने टिकट बुक कर सकेंगे। यह ट्रेन उद्घाटन के दौरान ट्रेन संख्या 09404 के रूप में अहमदाबाद से 14.00 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 19.35 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन वडोदरा और सूरत स्टेशनों पर रुकेगी।वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नियमित परिचालन 1 अक्टूबर, 2022 से शुरू होगा। यह ट्रेन सप्ताह में 6 दिन चलेगी और रविवार को नहीं चलेगी। ट्रेन संख्या 20901 मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर केपिटल वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस मुंबई सेंट्रल से 06.10 बजे प्रस्थान करेगी और 12.30 बजे गांधीनगर केपिटल पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में ट्रेन संख्या 20902 गांधीनगर केपिटल-मुंबई सेंट्रल वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस गांधीनगर केपिटल से 14.05 बजे प्रस्थान करेगी और 20.35 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी।

लता मंगेशकर अंतर्राष्ट्रीय संगीत महाविद्यालय शुरू

मुंबई। बुधवार को प्रभादेवी स्थित पुल देशपांडे अकादमी में भारत रत्न लता दीनानाथ मंगेशकर अंतर्राष्ट्रीय संगीत महाविद्यालय का उद्घाटन और गायन साम्राज्ञी लता मंगेशकर पुरस्कार वितरण का मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया। महान बांसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया और ऊषा मंगेशकर को लता मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कोरोना की वजह से पिछले दो साल से लता मंगेशकर पुरस्कारों का वितरण नहीं हो पाया था।

मुख्यमंत्री शिंदे ने कार्यक्रम को

संबोधित करते हुए कहा कि सभी लोग लता दीदी के गीतों को सुनकर यहां तक पहुंचे हैं। उनके गले में मां सरस्वती का निवास था, उनमें दैवीय शक्ति थी। मराठी माटी में जन्मी रत्न आगे चलकर भारत रत्न बनी, यह महाराष्ट्र के लिए अभिमान, गौरव की बात है। दो साल से कोरोना की वजह से लता मंगेशकर पुरस्कार वितरण समारोह नहीं हो सका था। हम भाग्यवान है कि हमारे हाथों इतने महान लोगों का सत्कार हुआ। अंतर्राष्ट्रीय संगीत महाविद्यालय के रूप में यह सरकार का पहला कदम है। इस महाविद्यालय की कीर्ति राज्य ही नहीं, पूरे विश्व में फैलाने का काम करेंगे।

इसकी कीर्ति फैलेगी तो महाराष्ट्र का मान बढ़ेगा। सरकार की तरफ से इसे सभी तरह की मदद की जाएगी। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि संगीत के दो उपासकों को पुरस्कार दिया गया है। कोराना के रूप में बड़े खराब दिनों का हमें सामना करना पड़ा।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।